सुविचार
किसी को हमारी वजह से दुख ना हो यही धर्म है और लोग हमारी वजह से हंसे यही कर्म है..!!

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

वर्ष 7, अंक-47 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 30 दिसंबर 2022 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

जानिए क्या है संघ,समितियां ,संस्था आदि बनाने का मौलिक अधिकार /Fundamental of Right....

संघ एवं संस्थाओं के माध्यम से कार्य करने की प्रणाली अत्यंत प्राचीन है कहते है कि एक विचारधारा वाले व्यक्ति शुरू से ही एक साथ मिलकर कार्य करने में विश्वास करते हैं इसका मुख्य कारण संगठन की शक्ति, बन्धुत्व एवं सहयोग बना रहता है जो कार्य एक व्यक्ति नहीं कर सकता वह कार्य संघ या संगठन के माध्यम से आसानी से किया जा सकता है। यही कारण है कि संविधान में भी संघ या संगठन, समितियां बनाने तथा उन्हें निरंतर चालू रखने की परंपरा को मूल अधिकार के रूप में मान्यता दी गई है जानिए।

■ लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

भारतीय संविधान अधिनियम,1950 के अनुच्छेद 19(1)(ग) की परिभाषा: भारत के समस्त नागरिक अपनी स्वेच्छा से कोई भी संघ,संस्था, संगम, सहकारी समितियां एवं कंपनी, सोसायटी, साझेदारी संघ, श्रमिक संघ, कोई संगठन राजनीतिक दल आदि बनाने, चालू रखने, समाप्त करने आदि के लिए स्वतंत्र हैं।

संस्था, सोसायटी आदि के सदस्य बनने का अधिकार मूल अधिकार नहीं है जानिए- सुभाष बेहर बनाम स्टेट ऑफ उत्तराखंड मामले में उच्च न्यायालय द्वारा यह अभिनिर्धारित किया कि भारत के नागरिकों को किसी सोसायटी, संस्था का सदस्य बनने का अधिकार मूल अधिकार नहीं है। आगे कहा कि संघ या संस्था की स्थापना करने वाला व्यक्ति उसका मूल संरक्षण सदस्य होता है उसकी इच्छा के विपरीत किसी व्यक्ति को उस संघ, संस्था पर न थोपा जा सकता है और न उनको उनके साथ कार्य करने के लिए विवश किया जा सकता है।

संघ, संगठन, संस्था आदि बनाने पर राज्य कब प्रतिबंध लगा सकता है जानिए- कोई भी व्यक्ति मनमाने तौर पर मनमाने कार्य के लिए किसी संघ, संस्था आदि का निर्माण नहीं कर सकता है इसके लिए कुछ शर्तें निरूपित की गई है-

1. संस्था या संगठन आदि द्वारा देश की सम्प्रुभता,एकता एवं अखंडता पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं होना चाहिए।
2. संस्था या संगठन आदि लोकशान्ति, लोक व्यवस्था बनाने वाला होना चाहिए।
3. संगठन या संस्था हमेशा अच्छे कार्य के लिए एवं सदाचार होना चाहिए।

सरकार कब संस्था या संगठन आदि को असंवैधानिक घोषित कर सकती है: महत्वपूर्ण जजमेंट स्टेट ऑफ मद्रास बनाम वी. जी.राव?- उक्त मामले में न्यायालय द्वारा कहा गया कि सरकार को यह अधिकार है कि यदि कोई संघ,संस्था आदि लोकशान्ति एवं लोक व्यवस्था के लिए घातक हो तो उसे अधिसूचना द्वारा अवैध घोषित कर सकती है। उच्चतम न्यायालय ने यह भी कहा कि संघ या संस्था का कार्य लोकशान्ति या लोक व्यवस्था भंग करने का है इसका पता लगाना केवल न्यायालय का कार्य हैं न की सरकार द्वारा गठित सलाहकारी बोर्ड का।

पीएम मोदी की मां हीराबा नहीं रहीं

मोदी कंधे पर मां की पार्थिव देह लेकर निकले, शव वाहन में बैठे; अंतिम यात्रा शुरू

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबा मोदी का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। वे 100 साल की थीं। हीराबा ने अहमदाबाद के यूएन मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर में तड़के 3ः30 बजे अंतिम सांस ली। मंगलवार देर रात सांस लेने में तकलीफ होने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें कफ की शिकायत भी थी। पीएम मोदी सुबह 7: 45 बजे अहमदाबाद पहुंचे। यहां से वे सीधे गांधीनगर के रायसण गांव में भाई पंकज मोदी के घर गए। उनके पहुंचते ही अंतिम यात्रा शुरू हुई। मोदी कंधे पर पार्थिव देह लेकर शव वाहन तक गए। PM भी शव वाहन में ही बैठे हैं। अंतिम यात्रा सेक्टर-30 स्थित श्मशान तक जाएगी।

पीएम मोदी ने ट्वीट कर निधन की जानकारी दी, लिखा- शताब्दी का ईश्वर चरणों में विराम: पीएम मोदी ने ट्वीट कर हीराबा के निधन की जानकारी दी। शुक्रवार की सुबह 6 बजकर 2 मिनट पर उन्होंने लिखा- शानदार शताब्दी का ईश्वर चरणों में विराम। मां में मैंने हमेशा उस त्रिमूर्ति की अनुभूति की है, जिसमें

एक तपस्वी की यात्रा, निष्काम कर्मयोगी का प्रतीक और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध जीवन समाहित रहा है। मोदी ने आगे लिखा- मैं जब उनसे 100वें जन्मदिन पर मिला तो उन्होंने एक बात कही थी, जो हमेशा याद रहती है कि काम करो बुद्धि से और जीवन जियो शुद्धि से। हीराबा ने जून में ही अपना 99वां जन्मदिन मनाया था। प्रधानमंत्री मोदी उस समय उनसे मिलने आए थे। उस दौरान क्करू ने हीराबा के पैर धोकर पानी अपनी आंखों से लगाया था।

देश के राजनेताओं ने शोक जताया

गृह मंत्री अमित शाह: ट्वीट किया- मां एक व्यक्ति के जीवन की पहली मित्र और गुरु होती है। जिसे खोने का दुख निस्संदेह संसार का सबसे बड़ा दुख है।

गुजरात सीएम भूपेंद्र पटेल: कहा कि नरेंद्र भाई मोदी की माता पूज्य हीराबा के निधन से गहरा दुख हुआ। हीराबा उदारता, सादगी, कड़ी मेहनत और जीवन के उच्च मूल्यों के प्रतीक थीं। मैं प्रार्थना करता हूं कि भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी: ट्वीट किया- एक पुत्र के लिए मां पूरी दुनिया होती है। मां का निधन पुत्र के लिए असहनीय और अपूरणीय क्षति होती है। क्करूमोदी जी की पूज्य माता का निधन अत्यंत दुखद है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह: ट्वीट किया- भक्ति, तपस्या और कर्म की त्रिवेणी। नरेंद्र मोदीजी जैसे महान व्यक्तित्व को गढ़ने वाली मां के चरणों में सादर प्रणाम। पूज्य मां सदैव प्रेरणा बनी रहेंगी।

किस प्रकार की लिखित सूचनाओं या नोटिस को हटाना दण्डनीय अपराध होता है जानिए/IPC.....।

कोई अधिकारी जब किसी व्यक्ति को बार-बार नोटिस देकर बुलाता है एवं व्यक्ति लोक सेवक(अधिकारी) के आदेश का पालन नहीं करता है तब ऐसी सूचना को या आदेश, नोटिस को पंचायत के सूचना बोर्ड एवं किसी सार्वजनिक स्थान या अमुक व्यक्ति(जिससे सूचना संबंधित है) के यहाँ लगा देता है। तब ऐसी सूचनाओं को किसी भी व्यक्ति द्वारा हटाना एक दण्डनीय अपराध होता है पढ़िए।

भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 173 की परिभाषा: कोई भी व्यक्ति किसी लोकसेवक या न्यायालय द्वारा विधिपूर्ण(वैध) लिखित सूचनाओं, आदेशो, समन या किसी भी प्रकार की उद्घोषणा(नीलामी, कुर्की,जब्ती आदि) को किसी नोटिस बोर्ड,या सार्वजनिक स्थान पर लगाने से रोकेगा या उनको लगाने के वहाँ से हटा देगा तब वह उपर्युक्त धारा के अंतर्गत दोषी होगा।

भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 173 के अंतर्गत दण्ड का प्रावधान: इस धारा के अपराध किसी भी प्रकार से समझौता योग्य नहीं है यह असंज्ञेय एवं जमानतीय अपराध होते हैं,इनकी सुनवाई का अधिकार किसी भी न्यायिक मजिस्ट्रेट को हैं। सजा- इस अपराध की सजा को दो भागों में बाँटा गया है

1. किसी लोकसेवक के आदेशों, लिखित सूचनाओं या नोटिस को लगाने के लिए मना करना या हटाने पर अधिकतम एक माह की कारावास या जुर्माना या दोनो से दण्डित किया जा सकता है।
2. अगर कोई व्यक्ति किसी मजिस्ट्रेट या न्यायालय द्वारा साक्ष्य पेश के लिए लगाए गए लिखित नोटिस, आदेश, सूचना या उद्घोषणा हटाता हैं या लगाने से रोकता है तब अधिकतम छः माह की कारावास या जुर्माना या दोनो से दण्डित किया जा सकता है।

- **लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान(महिला समाजिक कार्यकर्ता एवं जिला ब्यूरो चीफ युवा प्रदेश समाचार पत्र अलीगढ़ उत्तर प्रदेश)**

महान फुटबॉलर पेले का निधन:82 साल की उम्र में साओ पाउलो के अस्पताल में ली अंतिम सांस

एजेंसी ❑ साओ पाउलो

ब्राजील के महान फुटबॉलर पेले का गुरुवार देर 82 साल की उम्र में निधन हो गया। उनकी बेटी कैली नैसिमेंटो ने सोशल मीडिया पर उनके निधन की जानकारी दी। पेले पेट के कैंसर से जूझ रहे थे। उन्हें 29 नवंबर को साओ पाउलो के अल्बर्ट आइंस्टीन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कीमोथेरेपी के जरिए उनका ट्रीटमेंट किया गया। लेकिन, उन्हें कोई फायदा नहीं हो रहा था। इसके बाद कीमोथेरेपी बंद कर उन्हें दर्द कम करने की दवाइयां दी जाने लगीं। उन्हें किडनी और कार्डियक डिसफंक्शन भी था।

बेटी ने कहा - हम जो भी हैं सब आपकी बदौलत:पेले की बेटी कैली ने इंस्टाग्राम पर लिखा, हम जो कुछ भी हैं, आपकी बदौलत हैं। हम आपको बहुत प्यार करते हैं। रेस्ट इन पीस। 25 दिसंबर को परिवार ने क्रिसमस का त्योहार पेले के साथ अस्पताल में ही मनाया था।

रूटीन चेकअप के लिए अस्पताल गए थे

पेले रूटीन चेकअप के लिए अस्पताल में भर्ती हुए थे, लेकिन धीरे-धीरे उनकी हालत बिगड़ने लगी और अस्पताल ने उन्हें अब मृत घोषित कर दिया। पेले को कैंसर था और दिल से जुड़ी समस्याएं भी थीं। कैंसर के इलाज में उन पर कीमोथेरेपी का असर भी नहीं हो रहा था। जिस कारण डॉक्टर ने भी चिंता जाहिर की थी। सितंबर 2021 में उनका कोलोन ट्यूमर हटाया गया। जिसके बाद उनकी कीमोथेरेपी की गई। पेले इससे पहले भी कई बार चेकअप कराने के लिए हॉस्पिटल में भर्ती हुए थे। पिछले दिनों कतर में फीफा वर्ल्ड कप की शुरुआत में ही पेले ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक फोटो पोस्ट की थी। उन्होंने फैंस को सपोर्ट करने के लिए धन्यवाद दिया था।

एडसन एरेंटस डो नेसिमेंटो असली नाम: पेले का असली नाम एडसन एरेंटस डो नेसिमेंटो था। निक नेम डिको, पेले और द ब्लैक पर्ल भी हैं। पेले का जन्म 23 अक्टूबर 1940 को ब्राजील में हुआ था। इनकी तीन पत्नियां हैं। लेकिन कितने बच्चे हैं, इसको लेकर विवाद होते रहे हैं। पेले खुद एक इंटरव्यू में कह चुके हैं कि उन्हें याद तक नहीं कि उनके कितने बच्चे हैं। हालांकि, ऑफिशियल रिकॉर्ड में पेले के 7 बच्चों के नाम सामने आते हैं।

ब्राजील को 3 वर्ल्ड कप दिलाए

पेले फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों में से एक रहे। उन्होंने 1958, 1962 और 1970 में ब्राजील को 3 वर्ल्ड कप दिलाए। उन्होंने 4 वर्ल्ड कप खेले। इनमें से टीम ने तीन बार खिताब जीते। उन्होंने 1971 में ब्राजील नेशनल टीम से संन्यास ले लिया था।

शा.कन्या शाला शिक्षा परिसर पवारखेड़ा की छात्राओं द्वारा शानदार प्रस्तुति की गई

पत्रकार बीआर अहिरवार

होशंगाबाद(नर्मदापुरम)। सयुंक्त संचालक लोक शिक्षण नर्मदापुरम द्वारा अनुगूंज 2022 संभागीय प्रस्तुति में शासकीय कन्या शिक्षा परिसर की छात्राओं ने भाग लिया एवं छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया इसी के साथ शाला का नाम भी रोशन किया। इस शानदार प्रस्तुति के सहयोग में प्रभारी प्राचार्य श्री उपेंद्र सिंह राठौर संस्कृतिक प्रभारी श्रीमती निधि चतुर्वेदी ने छात्राओं को नृत्य, गायन एवं नाटक में मार्गदर्शन प्रदान किया एवं सभी कन्या शिक्षा परिसर के स्टॉप ने छात्राओं के लिए प्रस्तुति में सहयोग प्रदान किया। उक्त कार्यक्रम में शासकीय कन्या शिक्षा परिसर की 53 छात्राओं ने भाग लिया।

छात्राएं पहले भी कर चुकी है अपनी शाला का नाम रोशन।

सनद रहे शासकीय कन्या शिक्षा परिसर आवासीय विद्यालय में पढ़ने वाली छात्रएं पहले भी कई बार अपनी शाला का नाम रोशन किया है शाला की छात्राएं पढ़ाई के साथ अन्य गतिविधियों पर भी ध्यान देती है।

शासकीय सीनियर आदिवासी उत्कृष्ट कन्या छात्रावास का मैदान अतिक्रमण की चपेट में छात्राओं को हो रही परेशानी

कैलाश कुमार ❑ अनूपपुर

शिक्षा का मंदिर भी अतिक्रमणकारियों की चपेट में आ जाने से छात्राओं के लिए मुसीबत खड़ी हो गई अधीक्षक शासकीय सीनियर आदिवासी उत्कृष्ट कन्या छात्रावास ने कलेक्टर सहायक आयुक्त सहित नगरपालिका अधिकारी को शिकायती पत्र भेजकर कन्या छात्रावास के सामने से अतिक्रमण हटाने की मांग की है उन्होंने अपने शिकायती पत्र में लेख किया है कि अमरकंटक रोड़ चंदास नदी के पास शासकीय सीनियर आदिवासी उत्कृष्ट कन्या छात्रावास भवन संचालित है।छात्रावास में 50 आदिवासी छात्रायें निवासरत होकर अपनी पढ़ाई कर रही है,शासन द्वारा उक्त छात्रावास के सामने पानी हेतु एक हैण्डपंप की व्यवस्था किया गया है एवं बच्चियों के लिए खेल मैदान भी आरक्षित था।जो संस्था के आधिपत्य में है किन्तु कुछ व्यक्तियों के द्वारा छात्रावास के सामने, पूरे मैदान में झुग्गी-झोपड़ी बनाकर अतिक्रमण कर लिए है।इस कारण छात्रावास में रह रही छात्राओं को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है-हैण्डपंप का उपयोग सभी अतिक्रमण कारी व्यक्तियों द्वारा किया जाता है विशेष परिस्थिती में संस्था को आवश्यकता होती है,तो घंटो खड़ा रहना पड़ता है यदि कुछ कहा जाये तो लड़ाई-झगड़े में उतारू हो जाते है,तथा रात दिन शोर-शराबा होता रहता है। कभी-कभी नशे की हालत में जोर-जोर से इतनी अभद्र बाते करते है कि संस्था तक स्पष्ट सुनाई पड़ता है जिसका प्रभाव छात्राओं में भी पड़ता है।झुग्गी-झोपड़ी बनाकर रहने के साथ-साथ संस्था के सामने गंदगी भी करते है तथा यह मैदान शासकीय है,जहां पूर्व में छात्राओं के खेलने के लिए आरक्षित था जो पूर्णतः अतिक्रमण कर लिया गया है। अधीक्षक शासकीय सीनियर आदिवासी उत्कृष्ट कन्या छात्रावास ने कलेक्टर सहायक आयुक्त एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी से अपील की है कि मौके की जांच कर अतिशीघ्र अतिक्रमण हटवाये जाने की महती कृपा करें ताकि कभी कोई अप्रिय घटना न हो एवं छात्राएं सुरक्षित रह सकें।

आईजीएनटीयू की प्रो.मनीषा शर्मा की कृति को मिलेगा एक लाख का पुरस्कार

कैलाश कुमार ❑ अनूपपुर

साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद्, मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग,भोपाल द्वारा अखिल भारतीय 13 (तेरह) एवं प्रादेशिक 15 (पन्द्रह) कृति पुरस्कार कैलेण्डर वर्ष 2019 के पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई है।अखिल भारतीय प्रति पुरस्कार एक लाख रुपए एवं प्रादेशिक प्रति पुरस्कार रुपये इक्यावन हजार रुपए के साथ शॉल,श्रीफल,स्मृति चिह्न और प्रशस्ति के साथ रचनाकारों को अलंकृत किया जाता है। अखिल भारतीय पुरस्कार हेतु अखिल भारतीय पुरस्कार हेतु अनूपपुर जिले में स्थापित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक की संकायाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार संकाय प्रो.मनीषा शर्मा को मिला है।उनकी इस कृति के लिए राजा वीरसिंह देव (उपन्यास) ये इश्क..., पुरस्कार के लिए चयनित की गई है। निश्चित ही अनूपपुर जिले के लिए गौरव की बात है।

खाद्य मंत्री बिसाहूलाल सिंह जैतहरी में लगभग 582.60लाख लागत के कार्यों का करेगे लोकार्पण एवं शिलान्यास-सिद्धार्थशिव सिंह

जैतहरी। जिले के भाजपा पार्टी के जिला उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शिव सिंह ने बताया कि नगर परिषद जैतहरी में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम एवं भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश के खाद्य मंत्री बिसाहूलाल सिंह के द्वारा जिले के सबसे पुराने नगर के विकास के लिए कोई कोर कसर नहीं रखी गई है। विकास कार्यों के प्रस्ताव को शासन स्तर से स्वीकृत कराने के भरसक प्रयास किए जा रहे है।इसी क्रम में जैतहरी में खाद्य मंत्री बिसाहूलाल द्वारा विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण तथा शिलान्यास करेंगे।नगर परिषद अध्यक्ष नवरत्नी शुक्ला के साथ नगर के गणमान्य नागरिक की मौजूदगी में कार्यक्रम का आयोजन कर खाद्य मंत्री का अभिनंदन किया जायेगा।सभी तबके और क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए बहुसंख्यक योजनाओं तथा कार्यों का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है।खाद्य मंत्री द्वारा जिन निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया जाना है उनमें मुख्य रूप से वार्ड क्रमांक-08 में 1.70 लाख में निर्मित ऑडिटोरियम बिल्डिंग के अतिरिक्त कक्ष एवं किचन शेड निर्माण,95.00 लाख में निर्मित नगर परिषद जैतहरी कार्यालय भवन,21.00 लाख में निर्मित कार्यालय भवन परिसर का सौंदर्यीकरण का कार्य,7.00 लाख में निर्मित भगवान परशुराम चौक का निर्माण एवं मूर्ति का अनावरण वार्ड क्रमांक 09 में 86.00 लाख में निर्मित नगर परिषद चौक से भोला निखर के घर तक कंक्रीट सड़क का निर्माण तथा पानी टंकी कैम्पस में शेड निर्माण कार्य वार्ड क्रमांक 13 में 17.00 लाख में निर्मित इमली के पास पेवर ब्लॉक

सौंदर्यीकरण का कार्य तथा संत रविदास चौक निर्माण तथा मूर्ति का अनावरण वार्ड क्रमांक 05 में 7.00 लाख में निर्मित महाराजा अग्रसेन चौक का निर्माण एवं मूर्ति अनावरण वार्ड क्रमाक 11में 7.00 लाख में निर्मित आरसीसी नाली का निर्माण कार्य है। इसके अलावा खाद्य मंत्री द्वारा जैतहरी नगर परिषद अंतर्गत जिन निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया जायेगा उनमें मुख्य रूप से वार्ड क्रमांक 05,06,07,08,09,10,11 में 120.00 लाख की लागत से सड़को के डामरीकरण का कार्य वार्ड क्रमांक 13 और वार्ड क्रमांक 14 में 12.60 लाख की लागत से राजेश अग्रवाल के दुकान से बैशाखू राठौर के घर तक सीसी रोड़ निर्माण कार्य वार्ड क्रमांक 03 में 22.00 लाख के लागत से राठौर चौक से अंजुम मोटर्स तक आरसीसी नाली निर्माण तथा शंभू के घर से राजेश पवार के घर तक आरसीसी नाली निर्माण वार्ड क्रमांक 10 में 6.00 लाख की लागत से कब्रिस्तान के बाउंड्रीवाल का निर्माण कार्य

तथा वार्ड क्रमांक 04 में 12.00 लाख की लागत से खेरमाई पहुंच मार्ग कार्यों का भूमिपूजन कर नगरवासियों को सौगात दी जाएगी।

लोगो की सुविधाओं को ध्यान देते हुए होगा विकासः अध्यक्ष

इस अवसर पर नगर परिषद जैतहरी की अध्यक्ष नवरत्नी शुक्ला ने निकाय द्वारा 582.60लाख रुपये के कार्यों का विवरण देते हुए जनमानस को आश्वस्त किया है, कि परिषद मंत्री बिसाहूलाल सिंह के मार्गदर्शन में विभिन्न विकास कार्यों को पूर्ण करेगी।उन्होंने आश्वस्त किया है,कि सभी जनसुविधाओं का ख्याल रखते हुए नगर का चहुंमुंखी विकास किया जाएगा। उन्होंने मंत्री श्री सिंह को जैतहरी नगर को दी गई सौगातों के लिए आभार ज्ञापित किया।

सड़क दुर्घटना में हुए भाई-बहन की मृत्यु के आरोपी, वाहन चालक को पुलिस ने किया गिरफ्तार, वाहन जप्त

अनूपपुर। दिनांक 14 व 15.11.22 की मध्य रात्रि लगभग 00:28 बजे अनूपपुर तहसील कार्यालय के पास निषा इंटरप्राईजेज के सामने जैतहरी अनूपपुर मुख्य मार्ग पर टेलर वाहन से हुए दुर्घटना में भाई-बहन (धनसिंह पिता हीरालाल सिंह उम्र 31 वर्ष निवासी अंजनी थाना जैतहरी एवं व महिला भागवती सिंह पति स्वं. गोवर्धन सिंह उम्र 33 वर्ष निवासी सोनमौहरी थाना जैतहरी) की मौके पर मृत्यु हो गयी थी। उक्त घटना अत्यंत संवेदनशील व गंभीर प्रकृति की थी जिसके कारण नगर के आमजन में घटना को लेकर क्षोभ व्याप्त था। घटना को गंभीरता से लेते हुए अति.पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री अभिषेक राजन ने एसडीओपी अनूपपुर सुश्री कीर्ति बघेल के नेतृत्व में विषेष टीम गठित कर कार्यवाही करने हेतु निर्देषित किया गया। गठित विषेष टीम के द्वारा विवेचना के दौरान सायबर सेल के द्वारा वैज्ञानिक पद्धिति एवं सीसीटीव्ही फुटेज के द्वारा ऐसे तथ्य सामने आए जिससे ज्ञात हुआ कि टेलर वाहन क्र0 सीजी 04 एनयू 2923 के चालक मनोज साकेत पिता जोहन साकेत निवासी बरहा टोला खमरिया थाना चचाई के घटना कारित किया गया है। आरोपी घटना दिनांक से फरार था, जिसे विषेष टीम के द्वारा दिनांक 23.11.2022 को उसके घर बरहा टोला खमरिया थाना चचाई से गिरफ्तार किया गया। उक्त घटना में थाना कोतवाली में अपराध क्र0 700/22 धारा 304-ए का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है, जिसकी विवेचना की जा रही है। जिस वाहन से दुर्घटना घटित हुई थी, पुलिस के द्वारा उसे जप्त किया गया है एवं वाहन के दस्तावेजों के निरस्तीकरण की कार्यवाही की जा रही है। सम्पूर्ण कार्यवाही में अति0 पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री अभिषेक राजन के निर्देषन में एसडीओपी अनूपपुर सुश्री कीर्ति बघेल के नेतृत्व में थाना प्रभारी कोतवाली निरी.अमर वर्मा, सउनि. पी.एस.बघेल, सउनि. नागेष सिंह, सउनि. सुरेन्द्र सिहं, सउनि. सुखीनंद यादव, आर. प्रकाष तिवारी, गुपाल यादव एवं सायबर सेल के पंकज मिश्रा का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उरांव आदिवासी समाज के लिए गौरव दिवस

उरांव। दिनांक 25.12.2022 को अनुसूचित जाति- जनजाति के मसीहा म.प्र.शासन के अपर मुख्य सचिव एवं म.प्र.अजाक्स के प्रांतीय अध्यक्ष माननीय जे.एन.कांसोटिया जी , उरांव सरना आदिवासी सामाजिक एवम सांस्कृतिक समिति भोपाल के विशेष सरना पूजा के 27 वीं सालगिरह में विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुवे। उन्होंने कहा कि प्रकृति, पर्यावरण को संरक्षण करने के साथ साथ शिक्षा, रोजगार तथा तकनीकी शिक्षा की ओर भी ध्यान देना चाहिए । उरांव समाज के बीच आकर उन्होंने समाज को गौरवान्वित किया तथा समाज के सचिव श्री राधेश्याम भगत द्वारा लिखित पुस्तक सरना पूंप का भी विमोचन किया तथा इस पुस्तक को TRI (ट्राईबल रिसर्च इंस्टीट्यूट) से प्रकाशित करने की बात भी की जिससे उरांव समाज की रूढ़ी प्रथा ,प्राचीन सभ्यता, उत्पत्ति,बोली भाषा इत्यादि की भी जानकारी मिलेगी । उरांव आदिवासी समाज माननीय कांसोटिया जी को अपने बीच पाकर उत्साहित एवं गौरवान्वित महसूस कर रहा हैं । इस अवसर पर सरना पूजा स्थल (चबुतरा निर्माण) भोपाल के संस्थापक सदस्य श्री अशोक बेन जी महासचिव अजाक्स भोपाल संभाग, जिलाध्यक्ष श्री विनोद बट्टी जी,श्री बी शक्ति राव जी वार्ड क्रमांक 60, मंडल अध्यक्ष श्री किशन बंजारे जी,श्री एन आर भूआर्य जी हलवा हलवी समाज,श्रीमती सुजाता कुंजाम जी अध्यक्ष गोंडवाना मातृत्व शक्ति ट्राईबल फाउंडेशन,श्री राजेश कर्ष जी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ सांस्कृतिक मंडल भोपाल तथा उरांव समाज की अध्यक्ष श्रीमती निर्मला प्रधान , सचिव श्री राधेश्याम भगत,कोषाध्यक्ष श्री कलसू राम भगत, जयमंती भगत, धनियो उरांव,अनिल भगत ,फकीर राम भगत, रामनन्दन भगत,रामदयाल भगत, सतीश भगत इत्यादि के साथ ही समाज के अन्य कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जिले के वरिष्ठ पत्रकार मनोज द्विवेदी ने पत्रकारिता को दिया विराम

- कोतमा विधानसभा चुनाव की तैयारियों में व्यस्तता बना बड़ा कारण
- क्षेत्र में संपर्क महा अभियान में लाएगें तेजी

युवा प्रदेश ❑ अनूपपुर

जिले के भाजपा नेता एवं वरिष्ठ पत्रकार मनोज द्विवेदी ने कोतमा विधानसभा चुनाव की तैयारी हेतु पत्रकारिता को विराम देने की घोषणा की है। पिछले 14 वर्षों से जिले के कोतमा विधानसभा में चुनाव की तैयारी कर रहे भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला मीडिया प्रभारी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबद्ध भारत विकास परिषद के पूर्व अध्यक्ष मनोज द्विवेदी ने मिशन 2023 की तैयारियों को धार देने के लिये पत्रकारिता को विराम देने की घोषणा करते हुए कहा है कि अब वे कोतमा में सघन जन संपर्क अभियान को पूरा समय देंगे। उल्लेखनीय है कि अनूपपुर जिले से प्रथम प्रकाशित दैनिक कीर्तिक्रांति समाचार पत्र के संपादक मनोज कुमार द्विवेदी की सक्रियता चुनावी राजनीति को लेकर विगत एक दशक से बनी हुई है। पिछले 17 वर्षों से श्री द्विवेदी दैनिक समाचार पत्र कीर्तिक्रांति ,अनूपपुर के संपादक एवं मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के विभिन्न दायित्वों में होने के बावजूद कोतमा विधानसभा में निरंतर सक्रियता बनाए हुए हैं। श्री

द्विवेदी मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के अनूपपुर जिला महासचिव, तीन बार जिलाध्यक्ष, दो बार शहडोल संभाग के अध्यक्ष, प्रदेश सचिव, दो बार प्रदेश उपाध्यक्ष, अध्यक्ष मंडल के उपाध्यक्ष, प्रदेश सह - संयोजक रहे हैं। जिसके कारण संगठन के कार्यों हेतु समय , शक्ति देना पड़ता था। इसी वर्ष 31 मार्च -- 1 अप्रैल 2022 को अमरकंटक में मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम, आईजीएनटीयू के कुलपति डा श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी ,संघ के प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया, कमिश्नर राजीव शर्मा, कलेक्टर सुश्री सोनिया मीणा, एसपी अखिल पटेल , एसडीएम अभिषेक चौधरी, पूर्व अजजा आयोग अध्यक्ष रामलाल रौतेल की विशेष उपस्थिति में आयोजित पत्रकारों के ऐतिहासिक प्रांतीय सम्मेलन में प्रदेश के अलग - अलग जिलों के लगभग 700 से अधिक पत्रकार एकत्रित हुए थे। इस विशाल आयोजन के आयोजन समिति के अध्यक्ष मनोज द्विवेदी थे। उनके शुभ चिंतकों और समर्थकों ने महसूस किया कि पत्रकारिता से जुड़े विभिन्न दायित्वों के कारण कोतमा विधानसभा चुनाव की उनकी तैयारियां प्रभावित हो रही थीं ।

आगामी अक्टूबर - दिसम्बर 2023 में विधानसभा चुनाव संभावित हैं। अन्य नये - पुराने दावेदारों से अलग मनोज द्विवेदी ने पार्टी या रोजगार से जुड़े किसी अन्य दायित्वों की ओर रुचि ना लेते हुए पिछले 14 साल से कोतमा के प्रति निरंतर एकनिष्ठा बनाए रखी है। आगे निर्वाचन को देखते हुए उन्होंने कोतमा पर पूरा ध्यान केन्द्रित करते हुए क्षेत्र में सतत सघन संपर्क अभियान को गति प्रदान करने के लिये उन्होंने पत्रकारिता से जुड़े सभी दायित्वों को विराम देने की घोषणा की है। श्री द्विवेदी ने इस आशय की घोषणा करते हुए सभी पत्रकार बन्धुओं से मिशन 2023 हेतु पूर्ण सक्रिय सहयोग की अपील की है। पत्रकारिता को विराम देने के बाद अब उन्होंने चुनाव की तैयारी में जुटने का संकल्प दोहराया है।

ग्वालियर-चंबल में घना कोहरा, दतिया में विजिबिलीटी 200 मीटर रही, मप्र में नौगांव सबसे ठंडा

❑ उज्जैन

मध्यप्रदेश में ठंड ने तेवर दिखाना शुरू कर दिए हैं। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, शिवपुरी, ग्वालियर और दतिया में घना कोहरा रहने का पूर्वानुमान जताया है। दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में भी कोहरा रह सकता है।

मध्यप्रदेश में 48 घंटे में ठंडक बढ़ गई है। इस सीजन पहली बार प्रदेश में रात का पारा 4 डिग्री सेल्सियस के नीचे आ गया। सबसे ठंडा नौगांव (छतरपुर) रहा। यहां सोमवार रात का पारा 3.8 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। दतिया में घना कोहरा होने से विजिबिलिटी 200 मीटर तक रह गई। यहां न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। हिमालय में बर्फबारी और उत्तरी हवाएं चलने से प्रदेश में दिन और रात के तापमान नीचे आ गया है। बुधवार से तीन दिन बाद तापमान में कुछ बढ़ोतरी हो सकती है। 30 दिसंबर के आसपास बादल छा सकते हैं। बादल छाने से

तापमान बढ़ेगा। 31 दिसंबर को ठंड में कुछ कमी आ सकती है। प्रदेश में शनिवार शाम से उत्तरी हवाएं आना शुरू हो गई थीं। इससे मध्यप्रदेश में दिन और रात का तापमान लुढ़क गया।

पाकिस्तान से आने वाली हवाओं के कारण हिमालय में बर्फबारी हुई है। उत्तरी हवाएं चलने लगीं। इस कारण प्रेरेश में इस सीजन ठंड ने पहली बार जोर पकड़ा है। अगले 48 घंटे तक मौसम इसी तरह बना रहेगा। इसके बाद मौसम में बदलाव होगा। तापमान में हल्की बढ़ोतरी होगी। 29 से लेकर 31 दिसंबर तक तापमान में हल्की बढ़ोतरी होगी। बादल तो छाएंगे, लेकिन बारिश की संभावना बहुत ज्यादा नहीं है। 29 दिसंबर को सक्रिय सिस्टम का असर 31 दिसंबर तक रहेगा। इसके बाद 1 जनवरी से दिन और रात के तापमान में गिरावट हो सकती है। इससे प्रदेश भर में ठंड अपना जोर दिखाने लगेगी। अब तक बहुत ज्यादा स्ट्रॉन्ग सिस्टम नहीं बनने के कारण ठंड का असर कम रहा है। आने वाले समय में नए सिस्टम बनने की संभावना बनने लगी है। अगले एक सप्ताह के दौरान ग्वालियर, सागर और जबलपुर और उसके आसपास के जिलों में न्यूनतम तापमान 6 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। इन इलाकों में अधिकतम तापमान 20 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

लोगों के कल्याण और जिले के विकास के लिए सभी मिलकर कार्य करें :जिला पंचायत अध्यक्ष

❑सीहोर

जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गोपाल सिंह इंजीनियर की अध्यक्षता में सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संचालित योजनाओं एवं कार्यो तथा प्रधानमंत्री सड़क, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, स्वास्थ्य, विधुत सहित अन्य विभागों के कार्यो की समीक्षा की गई। बैठक में इछावर विधायक श्री करण सिंह वर्मा, आष्टा विधायक श्री रघुनाथ मालवीय एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री राजेंद्र श्री राजपूत सहित अनेक सदस्यों ने संबंधित विभागों के निर्माण कार्यो पर चर्चा के साथ ही अनेक नवीन कार्यों के प्रस्ताव दिए। इसके साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन एवं संचालन को बेहतर बनाने के लिए अनेक सुझाव भी दिए।

बैठक में जिला पंचायत के अध्यक्ष गोपाल सिंह इंजिनियर ने सभी सदस्यों एवं अधिकारियों से कहा कि शासकीय योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाना है, ताकि कोई भी व्यक्ति वंचित ना रहे। उन्होंने कहा कि विभागों के अधिकारी योजनाओं के क्रियान्वयन एवं संचालन के समय यह सुनिश्चित करें कि शासन के मापदंडों के अनुरूप सभी निर्माण एवं विकास के कार्य गुणवत्ता पूर्ण

हो और अगर कहीं कोई कमी रहती है, जिसकी ओर सदस्यों का ध्यान दिलाया जाता है तो उस पर अमल किया जाए । उन्होंने कहा कि हम सभी का एक ही उद्देश्य है कि अधिक से अधिक लोगों के कल्याण और विकास के काम किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सदस्यों द्वारा बैठक में जो नए कार्यों के प्रस्ताव दिए हैं। उन पर कार्यवाही कर प्रस्ताव शासन को भेजे जाएं। बैठक में दोनों विधायक श्री करण श्री वर्मा एवं श्री रघुनाथ मालवीय तथा अनेक सदस्यों ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत पाइप डालते समय जो सड़कें क्षतिग्रस्त हुई है, उनकी मरम्मत की जाए। इसके साथ ही विधुत विभाग द्वारा बिजली बिल अधिक दिए जा रहे हैं उन्हें नियमानुसार कम किया जाए। इसके साथ ही मंजरे टोले का विद्युतीकरण किया जाए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हर्ष सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सदस्यों द्वारा जो प्रस्ताव दिए गए हैं, उन पर आगामी कार्यवाही की जाए। इसके साथ हीसदस्यों द्वारा जो समस्याएं एवं कमियां बताई गई हैं उनका शीघ्र निराकरण किया जाएगा। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सीहोर जिले में 1836.13 किलोमीटर लंबाई की सड़कें स्वीकृत है। जिसमें विभिन्न चरणों में 1853. 44 कार्य किया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में कुल उपलब्धि 98.2 6ल रही हैद्य पीएचई विभाग की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि जिले में कुल 432 नल जल योजनाएं जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्वीकृत की गई हैंद्य विद्युत वितरण कंपनी की समीक्षा के दौरान यह जानकारी दी गई कि जिले के 757 गांव विधुतिकृत हैं। अटल योजना के तहत 125658 उपभोक्ताओं को 6 करोड़ 18 लाख रुपए से अधिक की सब्सिडी दी गई है।

वाहन रैली निकालकर दिया स्वच्छ्ता का संदेश, कारों में बैठकर मूंगफली खातें है और कचरा रोड पर : सुरजीत

सिरोंज। स्वच्छ भारत अभियान के प्रदेश संयोजक सुरजीत सिंह चौहान बुधवार को सिरोंज आए। सिरोंज में बाइपास रोड बटइया सरकार हनुमान मंदिर पौधरोपण करने के बाद प्रेस वार्ता की है। उन्होंने कहा कि लोग घरों से झाड़कर कचरा रोड पर फेंक देते हैं। कारों में बैठकर मूंगफली खातें है और कचरा रोड पर। इस मानसिकता से लोगों को बाहर निकलना होगा। तभी हमारा मोहल्ला, शहर, प्रदेश और देश साफ स्वच्छ बनेगा। इसके बाद वाहन रैली निकालकर शहर में स्वच्छ्ता संदेश दिया। रैली छतरी चौराहा होते हुए शहर के मुख्य मार्ग, चांदनी चोक ,बड़ा बाजार से बस स्टैंड होते हुए यात्रा बासौदा नाके पर पहुंची। जगह-जगह रैली का स्वागत किया गया। वही सुरजीत सिंह चौहान ने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश शहर से लेकर गांव और गांव से लेकर देश प्रदेश तक स्वच्छता अभियान के अंतर्गत लोगों को जागृत करना है। अपने घरों में साफ सफाई तो रखना ही है साथ-साथ अपने शहर की साफ-सफाई का भार भी हम सब के कंधे पर ही है। बस स्टैंड पर बने तालाब की साफ-सफाई को लेकर भी कहा कि सिरोंज नगरी ऐतिहासिक नगरी है, और इसके इतिहास को संरक्षित रखना हमारा मूल उद्देश्य है।

कलेक्टर सिंह ने सलकनपुर मंदिर परिसर का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए निर्देश

❑सीहोर

माता विजयासन धाम सलकनपुर में देवी लोक के निर्माण के संबंध में कलेक्टर प्रवीण सिंह ने सलकनपुर मंदिर परिसर के समीप वन विभाग की भूमि का वन एवं राजस्व अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सड़क मार्ग से मंदिर तक पहुंचने के मार्ग की चौड़ाई बढ़ाने तथा देवीलोक के निर्माण के लिए भूमि की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए संबंधित अधिकारियों को वन विभाग से भूमि हस्तान्तरण का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए। निरीक्षण के पश्चात मंदिर में कलेक्टर सिंह ने संबंधित विभागों की बैठक आयोजित करवन विभाग से भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया की कार्यवाही शीघ्र कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश ट्रस्ट अध्यक्ष महेश उपाध्याय, सीसीएफ वन, एसडीएम राधेश्याम बघेल, नायब तहसीलदार जयपाल उइके तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि महालोक उज्जैन की तर्ज पर सलकनपुर देवी मंदिर में बनने वाले देवी लोक में 64 योगिनी और माता के 9 स्वरूपों की प्रतिमाएँ स्थापित की जायेंगी। आगामी नवरात्र में मंदिर परिसर में भव्य कार्यक्रम किया जायेगा, जिसमें देवी लोक की परिकल्पना को श्रद्धालुओं के समक्ष रखा जायेगा। विगत दिनों मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देवी लोक के निर्माण की कार्यवाही के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में कलेक्टर प्रवीण सिंह की संस्कृति, पर्यटन, लोक निर्माणवन सहित अनेक विभागों के साथ बैठके की जा चुकी हैं। वर्तमान में मंदिर में चल रहे विकास कार्यों में पार्किंग, दुकान निर्माण और तालाब सौंदर्यीकरण का कार्य लगभग 60 प्रतिशत पूर्ण हो गये हैं।

कलेक्टर दुबे ने वीसी से योजनाओं की समीक्षा, अधिकारियों को दिए निर्देश

रायसेन। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय वीडियो कॉफ्रेंस में कलेक्टर अरविंद दुबे द्वारा अनुभागवार राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य सहित अन्य विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने सभी एसडीएम, तहसीलदारों से मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना एवं मुख्यमंत्री नगरीय भू-अधिकार योजना के क्रियान्वयन तथा प्रगति की जानकारी लेते हुए सभी पात्र लोगों को लाभान्वित किए जाने के संबंध में निर्देश दिए। कलेक्टर दुबे ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण एवं शहरी) के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए सभी जनपद सीईओ एवं सीएमओ को निर्देश दिए कि हितग्राहियों को समय पर किश्त मिले तथा हितग्राही राशि का उपयोग आवास बनाने में ही करे, यह सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए अधिकारी नियमित रूप से गॉवों और वार्डो का दौरा कर निर्माणाधीन पीएम आवासों का निरीक्षण करें। सभी किश्तों के भुगतान के बाद आवास अपूर्ण ना रहें, यह निर्धारित करें। उन्होंने कम प्रगति वाले जनपदों एवं नगरीय क्षेत्रों के अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्य में तेजी लाने तथा सतत् मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए। कलेक्टर दुबे ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में 16 एवं 17 जनवरी 2023 को आयोजित होने वाली कमिश्नर, कलेक्टर, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक कॉन्फ्रेंस के विषयों से जुड़े कार्यो, योजनाओं के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देश दिए।

स्वास्थ्य मंत्री चौधरी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक ली, संविदाकर्मियों से बोले- बैठकर बात करेंगे

❑धार

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी एक दिवसीय प्रवास पर दोपहर 12.30 बजे धार पहुंचे। सबसे पहले सर्किट हाउस पर सांसद छतर सिंह दरबार, जिला अध्यक्ष राजीव यादव सहित कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने प्रभारी मंत्री का स्वागत किया। यहां जिले के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की कोरोना के संबंध में बैठक ली। डॉ. शिरीष रघुवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश सरकार के आव्हान पर मॉक ड्रिल व्यवस्थाओं के संबंध में की गई थी। धार में लाइफ सपोर्ट, एडवांस लाइफ सपोर्ट, 17 एंबुलेंस, 466 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, 11 बाइपेप मशीन, एंडोस्कोपी मशीन, 4 वेंटिलेटर के साथ ही 200 ऑक्सीजन सिलेंडर भी अस्पताल के पास मौजूद है। वहीं बैठक में प्रभारी मंत्री को अवगत करवाया गया कि 25 अस्पतालों में 13 ऑक्सीजन प्लांट हैं। जिसमें धार के मुख्य अस्पताल में 960 एलपीएम और 300 एलपीएम का प्लांट लगा है।

साथ ही 1 हजार एलपीएम की क्षमता वाला ऑक्सीजन लिक्विड प्लांट भी क्रियाशील स्थिति में है। इन प्लांटों के माध्यम से हर मिनट में 2 हजार लीटर की ऑक्सीजन बनाने की क्षमता है। दरअसल, जिले के प्रभारी मंत्री चौधरी का मुख्य कार्यक्रम बुधवार दोपहर को सरदारपुर विधानसभा में हैं। यहां जाने से पहले सर्किट हाउस में मंत्री ने कोरोना के नए वेरिएंट को लेकर जिले के स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों को लेकर समीक्षा की। सरदारपुर में पेसा एक्ट के संबंध में ग्रामीणों से चर्चा की। प्रधानमंत्री आवास का निरीक्षण व हितग्राही से चर्चा, निर्माणाधीन योजनाओं का निरीक्षण, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भूमिपूजन, पार्टी के कार्यकर्ताओं से संवाद जैसे कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मंत्री चौधरी ने बैठक के बाद मीडिया से चर्चा में कोरोना को लेकर लोगों को सतर्क रहने की सलाह देते हुए पूर्व की तरह कोविड नियमों का पालन करने की बात कही। वहीं प्रदेश में कर्मचारियों द्वारा अपनी मांगों को लेकर की जा रही हड़ताल के बारे में मंत्री ने कहा कि हड़ताल कर्मियों से हड़ताल वापस लेने का आग्रह किया। साथ ही बैठक कर बात करने की बात कही गई हैं। धार में निरीक्षण के दौरान भी हड़ताल पर बैठे कर्मचारी मंत्री से मिले थे। मंत्री ने प्रदेश के पदाधिकारियों से चर्चा करने की बात कही थी। ऐसे में कोरोना के संक्रमण को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग भी जल्द ही हड़ताल समाप्त करवाने की कोशिश प्रदेश स्तर से कर रहा हैं, ताकि विभाग की ग्रामीण क्षेत्रों में चरमराई व्यवस्था को सुधारा जा सके।

दो सड़क हादसों में तीन की मौत, कार पलटने से गई दो की जान, ट्रक ने बाइक सवार को कुचला

दमोह। दमोह जिले में सोमवार देर रात दो भीषण सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हुए। एक घायल को जबलपुर रेफर किया गया है वहीं, एक घायल का इलाज जिला अस्पताल में जारी है। पहली घटना में कार अनियंत्रित हुई और दूसरी घटना में एक ट्रक ने बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। दमोह के तारादेही थाना के ग्राम खमतरा में कार हादसा हुआ। जहां रामकुमार पिता नारायण सिंह लोधी उर्फ रज्जू (41 वर्ष निवासी तारादेही), गणेश पिता रूप सिंह (42 वर्ष निवासी कांटी पोड़ी थाना पाटन) एवं राजेश पिता मुन्ना लोधी (22 वर्ष निवासी तारादेही) तीनों कार से ग्राम खमतरा में अपनी फसल देखने जा रहे थे। रास्ते में कार बेकाबू हो गई और सड़क से उतर गई और नीचे बने फाउंडेशन पर गिर गई, जिससे तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें 108 वाहन की मदद से अस्पताल लाया गया। जिसमें रामकुमार एवं गणेश को डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया गया।

इंदौर में 13 साल बाद कल होगी विश्व हिन्दू परिषद की केंद्रीय समिति की बैठक

इंदौर। बैठक में 50 से ज्यादा देशों के 300 पदाधिकारी जुटेंगे। पांच दिवसीय बैठक बायपास पर अग्रसेन भवन में होगी। वहां के आसपास के मैरेज गार्डनों में पदाधिकारियों के रुकने की व्यवस्था की गई है। बैठक में अयोध्या राम मंदिर निर्माण, धर्मांतरण,गौरक्षा जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा होगी। 29 दिसंबर से 1 जनवरी तक होने वाली इस बैठक में राम मंदिर निर्माण समिति के महामंत्री चंपत राय, भैय्या जी जोशी,वीएचपी के महामंत्री मिलिंद पराड़े के उद्बोदन भी होंगे। मालवा प्रांत के पदाधिकारियों ने बैठक को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली है। अग्रसेन भवन के समीप के दो मैरेज गार्डनों में पदाधिकारी रुकेंगे। दिनभर दो सत्र होंगे। बैठक में परिषद के नए वर्ष में होने वाले कार्यक्रमों की रुपरेखा पर भी चर्चा होगी। राम मंदिर निर्माण पूर्ण होने के बाद होने वाले आयोजनों पर पदाधिकारी चर्चा करेंगे। अनुशांगिक संगठन भी होंगे शामिल बैठक में वीएचपी से जुड़े अनुशांगिक संगठन बजरंग दल, दुर्गा वाहिनी, हिन्दू जागरण मंच के प्रमुख पदाधिकारी भी शामिल होंगे। ज्यादातर पदाधिकारी मंगलवार शाम तक इंदौर आ जाएंगे। दो साल से कोरोना की वजह से समिति की बैठक नहीं हो पाई थी। पदाधिकारी वर्चुअल मुद्दों पर चर्चा करते थे। 13 साल पहले मिली थी मालवा प्रांत को मेजबानीवीएचपी की वार्षिक बैठक अलग-अलग शहरों में होती है।

कर्मचारियों के सामूहिक अवकाश पर रहने से काम ठप

ग्वालियर। जीवाजी यूनिवर्सिटी के कर्मचारियों ने विभिन्न मांगों को लेकर बुधवार को सामूहिक अवकाश ले लिया। नतीजा यह हुआ कि यूनिवर्सिटी का काम-काज ठप हो गया, अफसर यूनिवर्सिटी में आए लेकिन कर्मचारियों के अभाव में काम नहीं कर सके। ऐसे में विद्यार्थियों के काम भी नहीं हुए और वह परेशान घूमते रहे, आलम यह रहा कि कई विभागों का ताला ही नहीं खुला। दोपहर लगभग 12 बजे कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर जेयू के प्रशासनिक भवन के बाहर प्रदर्शन किया, नारेबाजी की। कर्मचारियों का कहना था कि वह कई दिनों से अपनी मांगों को लेकर अधिकारियों से पत्राचार कर रहे थे, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई, इसके बाद ही उन्हें आंदोलनात्मक कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा। खास बात यह है कि यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने इस संबंध में पहले से सूचना प्रसारित नहीं की और ऐसी स्थिति के लिए इंतजाम नहीं किए, इसलिए विद्यार्थी अपना काम लेकर पहुंचे और परेशान होते रहे।

सिंधिया बोले-सतर्कता जरूरी, लेकिन एयरपोर्ट पर लापरवाही जारी

विदेश से रोज आ रहे हैं 90 हजार यात्री, सिर्फ दो फीसदी की हो रही है कोविड जांच : ज्योतिरादित्य सिंधिया

❑ इंदौर

पूरे देश में कोरोना को लेकर अलर्ट जारी हो गया है। ओमिक्रॉन का बीएफ.7 वैरिएंट की वजह से कई देशों में अफरा-तफरी का माहौल है। इसके बाद भी भारत में विदेश से आ रहे यात्रियों की चेकिंग पर फोकस नहीं है। खुद केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि रोज 90 हजार यात्री देश के 28 विमानतलों पर आते हैं। इनमें से सिर्फ दो प्रतिशत की ही कोरोना जांच हो रही है।

चीन से पूरी दुनिया में कोरोना फिर से फैलने का खतरा बढ़ गया है। इटली पहुंची एक फ्लाइट में आधे यात्री कोरोना संक्रमित पाए गए। इसे देखते हुए भारत और अमेरिका समेत सात देशों ने चीन से आने वाले यात्रियों को विमान में सवार होने से पहले कोविड निगेटिव रिपोर्ट पेश करना अनिवार्य कर दिया है। साथ ही ऐसे यात्रियों की जांच भी की जा रही है। भारत के स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने चीन से आने वाले यात्रियों के लिए आरटीपीसीआर जांच अनिवार्य क रदी है। यह जांच चीन के साथ-साथ जापान, दक्षिण कोरिया, हांगकांग और थाईलैंड से भारत आने वालों के लिए भी जरूरी होगी। हालांकि, हकीकत तो यह है कि भारत में कोरोना की पहली लहर दुबई से आने वाले यात्रियों की वजह से आई थी। शुरुआत वहीं से हुई थी। ऐसे में विदेश से आ रहे यात्रियों की जांच न करना बड़े सवाल खड़े कर रहा है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को इंदौर में कहा कि कोरोना को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। एक देश से दूसरे देश में वायरस के ट्रांसमिशन में समय लगता है। एयरपोर्ट के लिए कोराना की गाइडलाइन बनी है। देश के 28 विमानतलों पर विदेश से आने वाले दो प्रतिशत यात्रियों की जांच रोज हो रही है। देश में हर रोज करीब 90 हजार यात्री विदेशों से आते हैं। मंत्री के बयान से साफ है कि इस बार भी गलती दोहराई जा रही है और आने वाले समय में भारत में भी कोरोना के केस बढ़ सकते हैं, जिसकी आशंका जताई जा रही है। सिंधिया 2020 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए थे। उनके साथ तुलसी सिलावट भी कांग्रेस से भाजपा में आए थे। इंदौर जिले के सांवेर में हुए उपचुनाव में सिलावट के पक्ष में प्रचार करते हुए सिंधिया ने क्षेत्र में अस्पताल बनाने की घोषणा की थी। इसी अस्पताल का लोकार्पण करने सिंधिया सांवेर आए थे। प्रदेश शासन के मंत्री तुलसी सिलावट ने बताया कि पांच करोड़ रुपये की लागत से 50 बिस्तरों का अस्पताल तैयार किया गया है। अस्पताल में लैब, ऑक्सीजन प्लांट के अलावा स्टॉफ के लिए आवास भी बनाए गए हैं।

स्मार्ट सिटी की लचर कार्यप्रणाली का खामियाजा, सड़कों के लिए मिलेंगे 60 करोड़ फिर भी लश्कर का नहीं हो पाएगा कायाकल्प

❑ ग्वालियर

प्रदेशभर की सड़कों को गुणवत्तायुक्त बनाने के लिए शुरू की गई कायाकल्प योजना में शहर के लिए लगभग 60 करोड़ रुपए मिलेंगे, लेकिन इस योजना का लाभ भी शहर के प्रमुख बाजारों को नहीं मिल पाएगा। स्मार्ट रोड योजना में शामिल महाराज बाड़ा सहित लोहिया बाजार, दाल बाजार, सराफा बाजार, दौलतगंज, नई सड़क व फालका बाजार आदि की सड़कों को इसमें शामिल नहीं किया जाएगा। कायाकल्प योजना की शर्त है कि जो सड़कें किसी और योजना में शामिल हैं, उन्हें इस योजना में शामिल न किया जाए। चुनाव से पहले शहरों को चमकाने की इस योजना में शहर के हृदय स्थल और उसके आस-पास के बाजार फिर रह जाएंगे। इससे पहले नगर निगम ने चारों विधानसभाओं में सड़क निर्माण के लिए 80 करोड़ रुपए की मास्टर फाइल तैयार की थी, लेकिन उसमें भी ये सड़कें शामिल नहीं हो पाईं। दरअसल, स्मार्ट सिटी ने स्मार्ट रोड में लगभग 15.62 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए 300 करोड़ का प्रोजेक्ट तैयार किया था। इस प्रोजेक्ट के लिए 18 महीने का समय तय किया गया था, लेकिन पूरी अवधि निकलने के बाद अब तक सिर्फ 2 किलोमीटर रोड का काम ही पूरा हो पाया है।

डंडे के दम पर नहीं बल्कि सामाजिक जागरूकता से बंद होगी शराबः मोहन यादव

❑ जबलपुर

मध्यप्रदेश में शराबबंदी को लेकर जिस तरह पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने मोर्चा खोलते हुए नजर आ रहीं हैं। मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव ने कहा है कि शराबबंदी डंडे के दम पर नहीं बल्कि सामाजिक जागरूकता और जन सहयोग से होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को इसमें राजनीति करने की वजह जनचेतना फैलानी चाहिए। मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में एक भी नई शराब दुकान नहीं खुलवाई है, और उनके नेतृत्व में सरकार नशा मुक्ति अभियान चलाते हुए युवाओं को नशे से दूर करने का प्रयास भी कर रही है। मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव ने कहा कि शराबबंदी को लेकर सबको प्रयास करना होगा और अंत में शराबबंदी करना ही होगा आज नहीं तो कल। बता दें कि मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री आज जबलपुर प्रवास पर हैं जहां वह दीक्षांत समारोह में शामिल हुए इसके अलावा वह भाजपा के कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात की।

स्वच्छता का आनंद लीजिए, आप इंदौर में है थीम पर सजेगा प्रवासी सम्मेलन के लिए शहर

❑ इंदौर

इंदौर लगातार छह साल देश का सबसे स्वच्छ शहर बना हुआ है। इसी कारण से इंदौर में आठ से दस जनवरी तक प्रवासी भारतीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इंदौर नगर निगम ने प्रवासी भारतीय सम्मेलन के लिए इसी थीम पर स्वच्छ शहर की ब्रांडिंग करने का फैसला किया है। शहर में जो भी होर्डिंग लगे हैं या लगेंगे उन पर स्वच्छता का आंनद लीजिए, आप इंदौर में हैं स्लोगन लिखा होगा।

शहर वैसे तो हमेशा ही साफ रहता है, लेकिन समिट में आने वाले मेहमानों को इंदौर सुंदर भी दिखाई देगा। इसके लिए जगह-जगह वॉल पेटिंग की जा रही है। शहर के डिवाइडर, फुटपाथ, पेड़ों पर भी कलर किया गया है। जो मेहमान आ रहे हैं, उन्हें ट्रेंचिंग ग्राउंड पर बने बायो सीएनजी प्लांट का अवलोकन भी कराया जाएगा। यह सब इंदौर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों के शहर की तरह प्रोजेक्ट करने की तैयारी है। वेस्ट से गोल्ड बनाने की थीम पर इंदौर काम कर रहा है। सम्मेलन के लिए न्योता देते समय भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंदौर की स्वच्छता की तारीफ की थी। इसे देखते हुए नगर निगम और प्रशासनिक अमले ने सम्मेलन की ब्रांडिंग में स्वच्छता की थीम पर ही काम किया है। ज्यादातर मेहमान सराफा और 56 दुकान जाएंगे। दोनो फूड स्ट्रीट को तीन दिन के लिए अलग तरह से सजाया जाएगा। सराफा में विशेष ठेले बनवाए गए है। दोनों जगह व्यापारी प्लास्टिक का उपयोग नहीं करते। आयोजन स्थल के अलावा मेहमानों को शहर भी साफ नजर आएगा। इसके लिए तीन दिन दिन तक सफाई के लिए अलग से टीमें तैनात रहेंगी। इंदौर नगर निगम की आयुक्त प्रतिभा पाल ने बताया कि आठ से दस जनवरी तक होने वाले प्रवासी सम्मेलन में इंदौर की स्वच्छता की ब्रांडिंग भी होगी। आयोजन पूरी तरह से जीरो वेस्ट रहेगा। सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं होगा। सम्मेलन से निकलने वाले गीले कचरे से आयोजन स्थल पर ही खाद बनाई जाएगी।

संपादकीय

महिला उत्पीड़न: महिलाओं के साथ बर्बरता क्षम्य या अक्षम्य?

महिला उत्पीड़न अक्षम्य अपराध है यह पंक्ति मेरे ऑफिस में कई जगह पोस्टर के रूप में टंगी हुई है। न्यूज रूम में काम के दौरान जब महिला उत्पीड़न और महिलाओं के साथ बर्बरता व बलात्कार की खबरें आती हैं तो मेरी नजरें सबसे पहले इन्हीं पोस्टर्स पर जाती हैं। महिला उत्पीड़न और बलात्कार की हेडिंग पढ़कर खून खौल उठता है तो दूसरा ये पोस्टर्स सोच में डाल देते हैं कि आखिर जिस देश में महिलाओं को देवी का स्वरूप माना जाता है, उस देश में ऐसी पंक्ति लिखने की नौबत क्यों आई? एक सवाल यह भी आता है कि ये पंक्तियां क्या सिर्फ लिखने के लिए हैं? क्योंकि कुछ गिने-चुने मामलों को छोड़ दें तो भारत में 31 हजार से ज्यादा बलात्कार और उत्पीड़न के मामले केवल दर्ज होकर रह जाते हैं। चर्चा और कार्रवाई इक्का-दुक्का मामलों में होती दिखती है। ज्यादा पीछे न जाकर हाल ही में सुर्खियों में रहे कुछ अपराधों के बारे में जिक्र करूंगी, जिनसे यह साबित हो गया कि देश

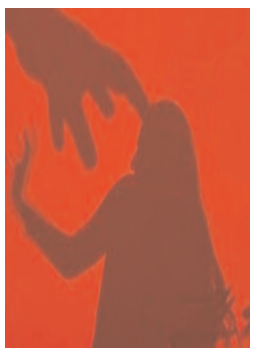

में अब महिला उत्पीड़न क्षम्य अपराध बन गया है। आप जी खोलकर अपराध करते रहिए क्योंकि आपको बचाने के लिए यहां हजारों लोग बैठे हुए हैं लेकिन सवाल करने वाला कोई नहीं। हाल में बिलकिस बानो का मामला सामने आया, जिनके दोषियों को फांसी की सजा देने की बजाय उम्रकैद की सजा दी गई थी। कुछ साल सजा काटने के बाद उन अपराधियों को छोड़ भी दिया गया। छोड़ने का जो कारण बताया गया वह हास्यास्पद और हैरान करने वाला है। इस फैसले के बाद ज्यादातर लोग मौन रहे। कई लोगों ने इसके खिलाफ आवाज भी उठाई लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। आवाज उठाने वाले भी थककर बैठ गए लेकिन जिम्मेदारों के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। इसके बाद मामला आया किरण नेगी का। निर्भया से भी क्रूर यातनाएं किरण नेगी को दी गई थीं। अपराध अपराध होता है, किसी भी मामले से तुलना करना सही नहीं है लेकिन यहां करना पड़ेगा, क्योंकि इन मामलों में देश के कानून, इनके नियंताओं और देशवासियों का दोहरा चरित्र देखने को मिला। एक मामले में पूरा देश सड़क पर उतर आया और दोषियों को सजा दिलवाने के बाद ही चैन से सोया। वहीं दूसरे मामले में नियम नियंताओं ने निर्णय दिया और देश ने चुप्पी साध ली। सिर्फ देश ही नहीं बड़े-बड़े मीडिया संस्थानों ने भी किरण नेगी मामले पर बोलना जरूरी नहीं समझा। नतीजा यह हुआ कि आज देश में ज्यादातर लोगों को किरण नेगी मामले के बारे में पता ही नहीं है। किरण नेगी के साथ हैवानियत की गई थी यह बात स्वीकारते हुए भी अदालत ने गिरफ्तार अपराधियों को छोड़ दिया। अगर वे दोषी नहीं थे तो इस मामले में दोषी कौन हैं? इसकी छानबीन करना और उन्हें सजा दिलाना किसकी जिम्मेदारी है? अदालत ने तो आसानी से अपना पल्ला झाड़ते हुए केस को बंद कर दिया लेकिन असल अपराधी तो खुलेआम घूम रहे हैं। महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों, खासकर यौन शोषण के मामलों पर आवाज उठाने वाली एक्टिविस्ट योगिता भयाना कहती हैं- देश और राज्य की सरकारों को बेटियों के साथ किए जा रहे यौन अपराधों और अपराधियों पर सख्ती बरतनी चाहिए।

विदेश में रह रहे भारतीय मूल के नागरिक भारत के आर्थिक विकास को गति देने में दे रहे अपना योगदान

भारत में विप्रेषित की जाने वाली राशि में अत्यधिक वृद्धि के कारकों में भारतीय रुपए का अमेरिकी डॉलर की तुलना में हो रहा अवमूल्यन भी शामिल है। क्योंकि इससे भारतीय नागरिकों को डॉलर की तुलना में रुपए में अधिक राशि का विप्रेषण होता है। मान लीजिए एक अमेरिकी डॉलर की बाजार में कीमत 75 रुपए है और यदि यह बढ़कर 82 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर हो जाती है और ऐसी स्थिति में अमेरिका में रह रहा भारतीय यदि अपने परिवार को 1000 अमेरिकी डॉलर की राशि का विप्रेषण करता है तो उसके भारतीय परिवार को रुपए 75000 के स्थान पर रुपए 82000 प्राप्त होंगे।

अभी हाल ही में विश्व बैंक ने एक प्रतिवेदन जारी कर बताया है कि विदेशों में रह रहे भारतीयों द्वारा वर्ष 2022 में 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि का विप्रेषण भारत में किए जाने की सम्भावना है जो पिछले वर्ष 2021 में किए गए 8,940 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विप्रेषण की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है। पूरे विश्व में विभिन्न देशों द्वारा विप्रेषण के माध्यम से प्राप्त की जा रही राशि की सूची में भारत का प्रथम स्थान बना हुआ है। इतनी भारी भरकम राशि में अमेरिका, इंग्लैंड एवं सिंगापुर में रह रहे भारतीयों द्वारा किया जाने वाला विप्रेषण भी शामिल है। इन तीनों देशों का योगदान वर्ष 2016 से 2021 के बीच 26 प्रतिशत से बढ़कर 36 प्रतिशत हो गया है। जबकि गल्फ कोआपरेशन काउन्सिल (जीसीसी) देशों का योगदान इस अवधि में 54 प्रतिशत से घटकर 28 प्रतिशत हो गया है। इसके पीछे मुख्य कारण यह है कि अब भारतीय मूल के नागरिक अमेरिका, इंग्लैंड एवं सिंगापुर सहित अन्य कई विकसित देशों में डॉक्टर, इंजिनीयर एवं सायंटिस्ट जैसे उच्च शिक्षा प्राप्त एवं उच्च कौशल के पदों पर कार्य कर रहे हैं, जहां आज भारतीयों को अधिकतम वेतन प्राप्त हो रहा है। जबकि पूर्व में अधिकतम भारतीय गल्फ कोआपरेशन काउन्सिल देशों में ब्लू कॉलर जॉब करते रहे हैं, जहां तुलनात्मक रूप से बहुत कम वेतन प्राप्त होता रहा है। इसी कारण के चलते अब अधिकतर भारतीय गल्फ देशों की तुलना में विकसित देशों की ओर अधिक मात्रा में आकर्षित हो रहे हैं। पहिले जहां भारत में सबसे अधिक विप्रेषित राशि यूनाइटेड अरब अमीरात से प्राप्त होती थी वहीं अब सबसे अधिक विप्रेषित राशि अमेरिका से प्राप्त हो रही है। आज अनिवासी भारतीयों की सूची में सूचना प्रौद्योगिकी जैसे तकनीकी क्षेत्र में कार्य करने वाले भारतीयों की संख्या अमेरिका एवं यूरोप के देशों में तेजी से बढ़ती जा रही है, इस वर्ग को तुलनात्मक रूप से अधिक वेतन की राशि प्राप्त होती है जिसके चलते भारतीयों का यह वर्ग विप्रेषण भी अधिक राशि का करता है।

भारत में विप्रेषित की जाने वाली राशि में अत्यधिक वृद्धि के कारकों में भारतीय रुपए

का अमेरिकी डॉलर की तुलना में हो रहा अवमूल्यन भी शामिल है। क्योंकि इससे भारतीय नागरिकों को डॉलर की तुलना में रुपए में अधिक राशि का विप्रेषण होता है। मान लीजिए एक अमेरिकी डॉलर की बाजार में कीमत 75 रुपए है और यदि यह बढ़कर 82 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर हो जाती है और ऐसी स्थिति में अमेरिका में रह रहा भारतीय यदि अपने परिवार को 1000 अमेरिकी डॉलर की राशि का विप्रेषण करता है तो उसके भारतीय परिवार को रुपए 75000 के स्थान पर रुपए 82000 प्राप्त होंगे। इस प्रकार रुपए के अवमूल्यन की स्थिति में भारतीय परिवार को अधिक राशि प्राप्त होती है। भारत को यदि विदेशों में रह रहे भारतीयों द्वारा विप्रेषण के माध्यम से अधिक राशि भेजी जा रही है तो इससे भारत की आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत हो रही है क्योंकि इससे भारत में विदेशी मुद्रा का भंडार लगातार बढ़ रहा है, जो कि भारतीय रुपए को अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्थिरता प्रदान करने में मददगार साबित हो रहा है एवं भारत में अर्थव्यवस्था को गति एवं मजबूती प्रदान करने में सहायक सिद्ध हो रहा है। साथ ही इससे भारत में नया निवेश बढ़ रहा है एवं जिससे यहां रोजगार के नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। इस प्रकार भारत से बाहर रह रहे भारतीय मूल के नागरिकों द्वारा भी भारत के आर्थिक विकास में अपना अतुलनीय योगदान दिया जा रहा है। भारत में लगातार तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास के चलते भी भारतीयों का अन्य देशों विशेष रूप से विकसित देशों की ओर रुझान, अपने व्यवसाय को विदेशों में विस्तार देने, उच्च शिक्षा प्राप्त करने, विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उच्च पदों पर रोजगार प्राप्त करने एवं परिवार सहित विदेशों में घूमने जाने के उद्देश्य से, लगातार बढ़ता जा रहा है। इस संदर्भ में केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में जारी किए गए आंकड़े सचमुच में चौंकाते हैं। आज लाखों भारतीय विदेशों में उच्च शिक्षा एवं उच्च कौशल युक्त क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने एवं अपना व्यवसाय प्रारम्भ करने के उद्देश्य से विकसित देशों की ओर रूख कर रहे हैं क्योंकि इन देशों में इन भारतीयों को तुलनात्मक रूप से बहुत अधिक वेतन प्राप्त हो रहा है। वर्ष 2019 में 25,25,328 भारतीय, वर्ष 2020 में 7,15,733 भारतीय; वर्ष 2021 में 8,33,880 भारतीय; वर्ष 2022 में (31 अक्टोबर तक) 21,43,873 भारतीय रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से भारत से बाहर अर्थात विदेशों में चले गए हैं। साथ ही, वर्ष 2019 में 14,67,537 भारतीय; वर्ष 2020 में 2,65,433 भारतीय; वर्ष 2021 में 1,26,611 भारतीय एवं वर्ष 2022 में (31 अक्टोबर तक) 4,64,275 भारतीय अपना व्यवसाय प्रारम्भ करने अथवा अपने वर्तमान व्यवसाय को विस्तार देने के उद्देश्य से विकसित देशों में चले गए हैं।

जहां पिछले कुछ वर्षों तक अधिकतम भारतीय ब्लू कॉलर रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से यूनाइटेड अरब अमीरात की ओर जाते थे वहीं अब सबसे अधिक भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा एवं साइंस जैसे उच्च कौशल के क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों की ओर जा रहे हैं। वर्ष 2020 में ओईसीडी (ऑर्गनायजेशन फोर इकोनोमिक कोआपरेशन एवं डेवलपमेंट) ने एक प्रतिवेदन जारी कर बताया था कि ओईसीडी समूह के सदस्य देशों में उच्च कुशलता प्राप्त भारतीयों की संख्या इन देशों में आज सबसे अधिक है एवं आज इन देशों में 30 लाख से अधिक भारतीय मूल के नागरिक कार्य कर रहे हैं। ओईसीडी समूह में आज अमेरिका, इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रान्स, जर्मनी, नीदरलैण्ड सहित 38 विकसित देश शामिल हैं। प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में भारतीय छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त करने के उद्देश्य से भी विकसित देशों में जा रहे हैं। वर्ष 2019 में 5,86,329 भारतीय छात्र; वर्ष 2020 में 2,59,644 भारतीय छात्र; वर्ष 2021 में 4,44,574 भारतीय छात्र एवं वर्ष 2022 में (31 अक्टूबर तक) 6,48,678 भारतीय छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त करने के उद्देश्य से विशेष रूप से विकसित देशों में गए हैं।

देश में लगातार तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास के चलते कई भारतीयों की आर्थिक स्थिति में इतना अधिक सुधार हुआ है कि वे सपरिवार कई विकसित देशों की पर्यटन की दृष्टि से यात्रा पर जाने लगे हैं। वर्ष 2019 में 252,71,965 भारतीयों ने अन्य देशों की यात्रा की है, कोरोना महामारी के चलते यह संख्या वर्ष 2020 में 66,25,080 एवं वर्ष 2021 में 77,24,864 पर आकर कम हो गई थी परंतु वर्ष 2022 में (31 अक्टोबर तक) पुन: तेजी से बढ़कर 183,12,602 हो गई है। विकसित देशों की यात्रा के दौरान ये भारतीय वहां रह रहे नागरिकों के रहन सहन के स्तर एवं बहुत आसान जीवन शैली से बहुत अधिक प्रभावित होते हैं एवं इन देशों की ओर आकर्षित होते हैं। भारत में आने के बाद ये परिवार लगातार यह प्रयास करना शुरू कर देते हैं कि किस प्रकार इनके बच्चों को इन विकसित देशों में रोजगार प्राप्त हों और मौका मिलते ही अर्थात रोजगार प्राप्त होते ही कई भारतीय इन विकसित देशों में बसने की दृष्टि से चले जाते हैं।

बलिदान को नमन व प्रेरणा लेने का दिन

सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों का स्मरण आते ही हमारा सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है, और मस्तक श्रद्धा से झुक जाता है। गुरु गोविंद सिंह भारत की आत्मा का प्रतिनिधित्व करने वाले उन महानायकों में से हैं जिन्होंने हमारे लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। सिख इतिहास शहीदियों की लाजवाब मिसाल है। 26 दिसंबर को गुरु गोविंद सिंह के चार पुत्रों साहिबजादों के साहस को श्रद्धांजलि देने के लिये वीर बाल दिवस के रूप में चिह्नित किया गया है। यह दिन वास्तव में उनकी शहादत को नमन करने व उनके जीवन से प्रेरणा लेने का दिन है।

20 दिसम्बर 1704 की वो रात गुरु गोविंद सिंह जी ने अपने परिवार और 400 अन्य सिखों के साथ आनंदपुर साहिब का किला छोड़ दिया था। उस रात भयंकर सर्दी थी और बारिश हो रही थी। सेना 25 किलोमीटर दूर सरसा नदी के किनारे पहुंची ही थी कि मुगलों ने रात के अंधेरे में धोखे से आक्रमण कर दिया। बारिश के कारण नदी में उफान था कई सिख बलिदान हो गए, कुछ नदी में बह गये। इस अफरा तफरी में परिवार बिछड़ गया। माता गुजरी और दो छोटे साहिबजादे गुरु जी से अलग हो गये। दोनों बड़े साहिबजादे गुरु जी के साथ ही थे। उस रात गुरु जी ने एक खुले मैदान में शिविर लगाया अब उनके साथ दोनों बड़े साहिबजादे और कुछ सिख यौद्धा थे। अगले दिन जो युद्ध हुआ उसे इतिहास मे Battle of Chamkaur Sahib के नाम से जाना जाता है। गुरु गोविंद सिंह जी 40 सिख फौजों के साथ चमकौर की गढ़ी एक कच्चे किले में 10 लाख मुगल सैनिकों से मुकाबला करते हैं एक-एक सिख दस लाख मुगलिया फौज पर भारी पड़ता है गुरु गोविंद सिंह जी के बड़े बेटे जिनकी उम्र मात्र 17 वर्ष की है साहेबजादा अजित सिंह ने मुगल फौजों में भारी तबाही की, सैकड़ों मुगलों को मौत के घाट उतारा लेकिन दस लाख मुगलिया फौजों के सामने साहेबजादा अजित सिंह बलिदान हो गए। छोटे साहिबजादे जिनकी उम्र मात्र 14 वर्ष की है, बड़े भाई के बलिदान को देखते हुए पिता गुरु गोविंद सिंह जी से युद्ध के मैदान में जाने की अनुमति मांगी एक पिता ने अपने हाथों से पुत्र को सजाकर युद्ध के मैदान में भेजा लाखों मुगलों पर भारी साहेबजादा जुझार सिंह ने युद्ध में दुश्मनों के छक्के छुड़ा दिये और लड़ते-लड़ते वीरगति को प्राप्त हुए।

साहिबजादा जोरावर सिंह और फतेह सिंह सिख धर्म के सबसे सम्मानित शहीदों में से हैं। मुगल सैनिकों ने औरंगजेब (1704) के आदेश पर आनंदपुर साहिब को घेर लिया। गुरु गोविंद सिंह के दो पुत्रों को पकड़ लिया गया। मुसलमान बनने पर उन्हें न मारने की पेशकश की गई थी। वजीर खां ने फिर पूछा, बोलो इस्लाम कबूल करते हो? छ: साल के छोटे साहिबजादे फ़तेह सिंह ने नवाब से पूछा अगर मुसलमान हो गए तो फिर कभी नहीं मरेंगे न? वजीर खां अवाक रह गया उसके मुँह से जवाब न फूटा तो साहिबजादे ने जवाब दिया कि जब मुसलमान हो के भी मरना ही है, तो अपने धर्म में ही अपने धर्म की खातिर क्यों न मरें। दोनों साहिबजादों को ज़िंदा दीवार में चिनवाने का आदेश हुआ। दीवार चिनी जाने लगी।

साल 2022 किस मुख्यमंत्री के लिए दोबारा लाया कुर्सी और किसकी छीन ली सत्ता?

राष्ट्रीय स्तर पर साल 2022 की प्रमुख राजनीतिक घटनाएं तो वैसे कई रहीं लेकिन यदि हम राज्यों के हिसाब से देखें तो कई को नये मुख्यमंत्री मिले तो कुछ राज्यों में मुख्यमंत्रियों ने सत्ता में वापसी कर नया रिकॉर्ड भी बनाया। यह साल इस मायने में महत्वपूर्ण था कि देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों में साल की शुरुआत में ही विधानसभा चुनाव होने थे। उस समय कोरोना के ओमीक्रॉन स्वरूप का संक्रमण तेजी से फैल रहा था इसलिए चुनाव आयोग को बड़े कठिन नियमों के साथ चुनाव कराने पड़े थे।

उत्तर प्रदेश में भाजपा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ही मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया था। योगी अपनी बुलडोजर बाबा की छवि के चलते भाजपा को दोबारा सत्ता में लाने में कामयाब रहे। इसके साथ ही योगी ने लगभग तीन दशक से ज्यादा समय से उत्तर प्रदेश में चले आ रहे उस मिथक को भी तोड़ दिया कि प्रदेश में कोई मुख्यमंत्री सत्ता में लगातार दूसरी बार वापसी नहीं कर पाता। योगी मॉडल की लोकप्रियता देश के अन्य राज्यों में भी पहुँच चुकी है।

वहीं उत्तराखण्ड में भाजपा ने पिछले साल पुष्कर सिंह धामी को जब राज्य की कमान सौंपी थी तो यही लक्ष्य था कि पार्टी की फिर से सत्ता में वापसी हो। उत्तराखण्ड का जबसे गठन हुआ है तबसे एक बार भाजपा और एक बार कांग्रेस को राज्य की जनता सत्ता सौंपती रही लेकिन पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में भाजपा ने रिवाज को बदल दिया और भाजपा का राज कायम रहा। पुष्कर सिंह धामी हालांकि अपना विधानसभा चुनाव हार गये लेकिन भाजपा ने चुनावों के दौरान उनके कुशल नेतृत्व और राज्य के विकास के लिए उनकी कड़ी मेहनत को देखते हुए उन्हें ही मुख्यमंत्री बनाया। गोवा में मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के नेतृत्व में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया और सत्ता में वापसी की।

वन्यजीवों की मौत का अभयारण्य बना बांधवगढ़, खितौली रेंज में एक और बाघ का शव मिला

मध्यप्रदेश का बांधवगढ़ नेशनल पार्क अब तक सात बाघों और पांच तेंदुओं की मौत हो चुकी है

❑ उमरिया

प्राकृतिक हरियाली और दुर्लभ वन्य जीवों के लिए दुनिया भर में मशहूर राष्ट्रीय उद्यान बांधवगढ़ में आये दिन हो रही बाघ एवं तेंदुओं की मौत ने वन्यजीव प्रेमियों को चिंता में डाल दिया है। सोमवार को पार्क में एक और बाघ की मौत हो गई।

मृत बाघ की आयु लगभग 15 माह बताई गई है, जिसका शव परिक्षेत्र खितौली अंतर्गत गढ़पुरी बीट में पाया गया। गश्तीदल की सूचना पर उच्च अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर हालात का जायजा लिया। पोस्टमार्टम के उपरांत शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। गढ़पुरी को मिला कर इस वर्ष बांधवगढ़ में होने वाली बाघ की यह सातवीं मौत है। हमेशा की तरह इस बार भी अधिकारी बाघ की मृत्यु टेरीटेरी फाईट के कारण होना बता रहे हैं। उनका कहना है कि किसी बड़े बाघ के हमले में शावक की मौत हुई है। बाघों की तरह पार्क में तेदुओं की भी आये दिन मृत्यु हो रही है। बीते करीब दो महीनो में ही बांधवगढ़ में कम से कम पांच तेदुओं को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है। बाघ की तरह तेंदुआ भी जंगल का बेशकीमती जीव माना जाता है। कभी पार्क में इनकी तादाद काफी ज्यादा थी, लेकिन अवैध शिकार और जंगली जानवरों से फसलों को बचाने के लिये फैलाए जाने वाले करंट से हुई सैकड़ों मौतों के कारण इनका दायरा संकुचित हो गया है। 2022 में पार्क प्रबंधन ने एक दर्जन के आसपास बाघ और तेंदुओं के मारे जाने की पुष्टि की है। हलांकि जानकार इसी संख्या से इत्तफाक नहीं रखते। उनका दावा है कि विगत 11 महीनों में करीब दो दर्जन से भी ज्यादा बाघ और तेंदुओं की मृत्यु हुई है। अधिकारी असली आंकड़े को छिपा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक कई बाघ, तेंदुए और उनके शावक अभी भी लापता हैं। इनमें से अधिकांश की मौत होने का अनुमान लगाया जा रहा है। अधिकारियों के वेतन, ऐशो आराम तथा विभागीय अमले पर करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी वन्य जीवों की संदिग्ध मौतों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। कभी शेरों के शिकार के लिये कुख्यात पारधियों और बहेलियों पर प्रबंधन की पैनी निगाह रहती थी, पर कई दिनों से इस तरह की कार्रवाई रोक दी गई हैं। प्रबंधन की उदासीनता के कारण करीब एक वर्ष से पार्क क्षेत्र में शिकारियों, बहेलियों, पारधियों और वन्यजीव तस्करों की गतिविधियां लगातार देखी जा रही हैं।

धान की खरीद-बिक्री, केंद्रों पर कम खरीदी, क्योंकि बाजार में किसानो को मिल रहे ज्यादा दाम

❑ ग्वालियर

समर्थन मूल्य कम होने के कारण किसान सरकार को धान बेचने से बच रहे हैं। किसानों को बाजार में धान की कीमत समर्थन मूल्य (2040) से ज्यादा मिल रही है। इस कारण 29 दिन (28 नवंबर से 26 दिसंबर तक) बीतने के बाद भी जिले के 33 खरीद केंद्रों पर सिर्फ 946.40 क्विंटल धान की ही खरीद समर्थन मूल्य पर हो पाई है। बिजौली, करहिया व गडाजर में कुल 11 किसानों से ये खरीद हुई है। जबकि, मंडी में 1 दिसंबर से 26 दिसंबर यानी कि 26 दिन में ही 13 हजार 144 क्विंटल धान खरीदी जा चुकी है।

समर्थन मूल्य- 28 नवंबर से 15 जनवरी तक धान खरीदी के लिए जिले में 33 केंद्र बनाए गए हैं। लेकिन सोमवार तक सिर्फ 3 केंद्रों पर 11 किसानों ने ही धान बेची है। समर्थन मूल्य पर सरकार को अब तक सिर्फ 916.40 क्विंटल धान ही मिल पाई है। इसके पीछे कारणर माना जा रहा है कि किसानों के समर्थन मूल्य काफी कम लग रहा।

मंडी खरीद- उपज मंडियों में दाम अच्छे मिलने के कारण किसानों द्वारा व्यापारियों को धान बेची जा रही है। 1 दिसंबर से 26 दिसंबर तक मंडी में 13 हजार 144 क्विंटल धान खरीदी जा चुकी है। मंडी में सबसे हल्की क्वालिटी वाली व दागी-गीली धान 2600 से 3 हजार रुपए प्रति क्विंटल खरीदी जा रही है। वहीं अलग-अलग क्वालिटी की धान 3500 से 4150 रुपए प्रति क्विंटल ले रहे हैं।

मंत्री सारंग पिछले साल की तरह इस साल भी नहीं मनाएंगे अपना जन्मदिन, शुभकामनाएं भी वर्चुअल मोड में ही स्वीकार करेंगे

चिकित्सा शिक्षा मंत्री सारंग ने हमीदिया अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट की मॉक ड्रिल का अवलोकन किया

❑ भोपाल

कोरोना के नए वैरिएंट से लड़ने के लिए मध्यप्रदेश सरकार तैयार है। यह तैयारी जांचने के लिए मंगलवार को मध्यप्रदेश के सभी अस्पतालों में तैयारियों को लेकर मॉक ड्रिल की गई। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने इस दौरान गांधी मेडिकल कॉलेज से संबद्ध हमीदिया अस्पताल के ऑक्सीजन प्लांट की मॉक ड्रिल का अवलोकन किया। साथ ही उन्होंने कोरोना के केस बढ़ने की स्थिति में क्या व्यवस्थाएं की जाएंगी, इसकी जानकारी डॉक्टरों से ली।

सारंग ने यह भी कहा कि पिछले साल की तरह इस साल भी वे अपना जन्मदिन नहीं मनाएंगे। शुभकामनाएं भी वर्चुअल मोड में ही स्वीकार करेंगे। यह व्यवस्था कोरोना के बढ़ते खतरे को देखते हुए की गई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के सभी अस्पतालों में कोरोना से निपटने की तैयारियों की समीक्षा करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद प्रदेश के सभी अस्पतालों में मंगलवार को मॉक ड्रिल की गई। सीहोर के जिला अस्पताल में स्वास्थ्य मंत्री प्रभुराम चौधरी ने मॉक ड्रिल का अवलोकन किया। इस दौरान अस्पतालों में बेड, दवाइयों, वेंटिलेटर, ऑक्सीजन की उपलब्धता की जांच की गई। ताकि कोरोना की लहर के भयावह रूप लेने पर उससे निपटा जा सके। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने भोपाल के हमीदिया अस्पताल में तैयारियों का जायजा लिया। इसके बाद मीडिया को बताया कि हमीदिया अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट की क्षमता 2000 एलपीएम की है। अस्पताल में कुल 1498 बिस्तर हैं, जिसमें 1045 ऑक्सीजन बेड्स हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हम हर परिस्थिति से निपटने को तैयार हैं। ऑक्सीजन प्लांट में 24 घंटे जीपीएस सिस्टम से मॉनिटरिंग की जा रही है। वहीं, सीहोर में मध्यप्रदेश के लोक कल्याण स्वास्थ्य मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने जिला अस्पताल में कोरोना की तैयारियों को लेकर मॉक ड्रिल में भाग लिया। अस्पताल में कोरोना की तैयारियों का जायजा लिया। ऑक्सीजन प्लांट का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने कहा है कि कोरोना के संभावित खतरे को देखकर वे 29 दिसंबर को अपना जन्मदिन नहीं मनाएंगे। उन्होंने अपने शुभचिंतकों से केवल वर्चुअल शुभकामनाएं देने की अपील की है। साथ ही यह भी कहा कि कोरोना से सुरक्षित रहने के लिए भीड़-भाड़ से दूर रहे। मास्क और सैनेटाइजर का इस्तेमाल करें। कोरोना गाइडलाइन को फॉलो करें। कोरोना के अनुरूप व्यवहार अपनाएं। खुद और परिवार को सुरक्षित रखें। सभी कोरोना से सुरक्षित रहे, इसके लिए सिर्फ वर्चुअल जन्मदिन मनाया जाएगा। पिछले वर्ष भी वर्चुअल जन्मदिन मनाया था।

चीन में कोरोना के वैरिएंट बीएफ.7 का कहर जारी है। इससे संक्रमित केस भारत में भी मिल चुके है। हालांकि अभी मध्य प्रदेश में कोरोना के नए मामले सामने नहीं आए है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की थी और सभी अस्पतालों में तैयारी रखने के निर्देश दिए है। उन्होंने जनता से भी अपील कर कोरोना से बचाव के व्यवहार का पालन करने को कहा है। साथ ही भीड़ भाड़ वाली जगह पर मास्क पहनने और बूस्टर डोज नहीं लगाने पर लगवाने को कहा है।

इंदौर से जल्द चलेगी वंदे भारत एक्सप्रेस जयपुर और जबलपुर रूट पर दौड़ सकती है

❑ इंदौर

प्रदेश की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन इंदौर से जनवरी में शुरू होने की संभावना है। इंदौर-जयपुर और इंदौर-जबलपुर के लिए ट्रेन को चलाने का प्रस्ताव है। कयास लगाए जा रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने इंदौर दौरे के लिए ट्रेन के शुरू होने की तारीख का ऐलान कर सकते हैं। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि हमारी तरफ से तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है। इस संबंध में सांसद शंकर लालवानी ने भी रेलवे अफसरों से बात की है। यह ट्रेन 52 सेकंड में 100 किमी की रफ्तार पकड़ सकती है। रेलवे सूत्रों के अनुसार इंदौर और जयपुर के बीच वंदे भारत ट्रेन का रूट उज्जैन वाला रहेगा। वंदे भारत ट्रेन जयपुर के दुर्गापुरा से दोपहर 3.10 बजे चलेगी। ये सवाई माधोपुर, नागदा, उज्जैन से होते हुए रात 12.15 बजे इंदौर पहुंचेगी। वापसी में ये ट्रेन सुबह 5.50 बजे चलकर उज्जैन, नागदा, सवाई माधोपुर होते हुए दुर्गापुरा (जयपुर) पहुंचेगी। जबलपुर के लिए भोपाल के रास्ते ही इस ट्रेन को चलाया जा सकता है। सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि वंदे भारत ट्रेन का रूट इंदौर-जयपुर, इंदौर-जबलपुर का प्रस्तावित है। इस संबंध में मेरी रेलवे के अधिकारियों से बात हुई है। रेलवे डिपार्टमेंट की ट्रेन के संचालन को लेकर पूरी तैयारी है। ये भारत में चलने वाली सबसे तेज ट्रेन होगी। रेलवे पीआरओ खेमराज मीणा के मुताबिक वंदे भारत ट्रेन कब चलेगी ये फिलहाल तय नहीं है, लेकिन इंदौर में ट्रेन के संचालन की तैयारियां शुरू हो गई है। ट्रेन के मेंटेनेंस सहित अन्य सुविधाओं के लेकर कार्य हो रहे हैं। दरअसल, वंदे भारत ट्रेन में मॉडर्न सुविधाएं हैं।

100वें टेस्ट में दोहरा शतक लगाने के बाद हादसे का शिकार हुए डेविड वॉर्नर, मैदान से जाना पड़ा बाहर

100वें टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने वॉर्नर, सचिन के रिकॉर्ड की भी बराबरी की

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच बॉक्सिंग डे टेस्ट में कंगारू बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने खास उपलब्धि अपने नाम की है। उन्होंने अपने 100वें टेस्ट में शतक लगाया है। वह ऐसा करने वाले 10वें बल्लेबाज हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के दूसरे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने ऐसा किया है। वॉर्नर से पहले रिकी पोंटिंग ने यह काम किया था। इस शतक के साथ वॉर्नर ने सचिन के खास रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। वह बतौर ओपनर सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। सचिन ने पारी की शुरुआत करते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 45 शतक लगाए हैं और वॉर्नर भी ऐसा कर चुके हैं। वॉर्नर के शतक के चलते सीरीज के दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया की टीम मजबूत स्थिति में पहुंच गई है और भारत के लिए यह सुखद खबर है। अगर दक्षिण अफ्रीका यह मैच हार जाती है तो भारत के लिए टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की राह आसान हो जाएगी।

डेविड वॉर्नर ने लगभग तीन साल बाद टेस्ट क्रिकेट में शतक लगाया है। वह लंबे समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे थे और उन्हें टीम से बाहर करने की बातें भी हो रही थीं। अब वॉर्नर ने अपने बल्ले से सभी का मुंह बंद कर दिया है। मेलबर्न की मुश्किल पिच पर उन्होंने अपनी टीम को बेहतर स्थिति में पहुंचाया है और टेस्ट क्रिकेट में अपने 8000 रन भी पूरे कर लिए हैं। वह अपने 100वें टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हैं। वहीं, दुनिया के दूसरे बल्लेबाज हैं, उनसे पहले जो रूट ने ऐसा किया था। अब तक 73 क्रिकेटरों ने कम से कम 100 टेस्ट मैच खेले हैं, लेकिन सिर्फ दस खिलाड़ियों ने अपने 100वें टेस्ट में शतक बनाने की उपलब्धि हासिल की है। इंग्लैंड के कॉलिन कॉड्रे अपने 100वें टेस्ट मैच में शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी थे। वह किसी भी देश के लिए 100 टेस्ट मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी भी थे। उनके बाद पाकिस्तान के जावेद मियांदाद ने यह उपलब्धि हासिल की। मियांदाद ने अपने पहले टेस्ट में भी शतक लगाया था और पहले बल्लेबाज थे जिन्होंने अपने पहले और 100वें टेस्ट में शतक लगाया। वेस्टइंडीज के गॉर्डन ग्रीनिज ने भी यह उपलब्धि हासिल की। ग्रीनिज ने अपने 100वें वनडे में भी शतकीय पारी खेली थी। वह एकमात्र खिलाड़ी थे, जिन्होंने अपने 100वें वनडे और 100वें टेस्ट मैच में शतक लगाया था। अब डेविड वॉर्नर ने भी यह उपलब्धि हासिल कर ली है। वॉर्नर ने अपने 100वें वनडे में भारत के खिलाफ 2017 में शतक लगाया था। इंग्लैंड के जो रूट 100वें मैच में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने अपने 100वें टेस्ट में 218 रन बनाए थे। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई रिकी पोंटिंग अपने 100वें टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाने वाले एकमात्र बल्लेबाज हैं। पोंटिंग ने 2006 में सिडनी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 120 और 143 रन बनाए थे। अब डेविड वॉर्नर ने भी अपने 100वें टेस्ट में शतक लगाया है। उनके पास भी दूसरी पारी में शतक लगाकर पोटिंग की बराबरी करने का मौका रहेगा। हालांकि, इसके लिए दक्षिण अफ्रीका को भी दूसरी पारी में रन बनाने होंगे। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के एक से ज्यादा खिलाड़ियों ने अपने 100वें टेस्ट में शतक लगाया है। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के तीन बल्लेबाज ऐसा कर चुके हैं। अब तक ऐसा कभी नहीं हुआ है, जब किसी बल्लेबाज ने अपने 100वें टेस्ट में शतक लगाया हो और उसकी टीम को हार का सामना करना पड़ा हो।

17 लोग ऐसे आए, जैसे छापा पड़ा हो, ऑफिस से सामान तक नहीं लेने दिया: रमीज राजा

एजेंसी ❑ कराची

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष रमीज राजा ने नए प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि नजम सेठी को पीसीबी अध्यक्ष बनाया जाना एक राजनैतिक कदम है। इसका क्रिकेट से कोई लेना-देना नहीं है। रमीज ने अपने यूट्यूब चैनल पर वीडियो जारी कर अपना दुख बयां किया है। उन्होंने कहा कि सिर्फ एक व्यक्ति के लिए पूरा संविधान बदल दिया गया। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि नजम सेठी और उनके साथियों ने उन्हें ऑफिस से सामान लेने तक का समय नहीं दिया।

रमीज राजा ने कहा ऐसा इन्होंने किया क्रिकेट बोर्ड में आके। मेरा सामान भी नहीं लेने दिया इन लोगों ने। सुबह ये नौ बजे, 17 बंदे धड़कते फिर रहे वे क्रिकेट बोर्ड में। जैसे की कोई एफआईए का छपा पड़ गया। रमीज राजा ने कहा एक व्यक्ति, सेठी को फिट करने के लिए, उन्हें पूरे संविधान (पीसीबी के) को बदलना पड़ा। मैंने ऐसा दुनिया में कहीं भी नहीं देखा है। यह एक सीजन के बीच में किया गया है, जब टीमें पाकिस्तान का दौरा कर रही हैं। उन्होंने मुख्य चयनकर्ता को बदल दिया है, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट खेला था। रात में दो बजे, वह (सेठी) ट्वीट करते हैं कि रमीज राजा चले गए। यह मेरा खेल का मैदान है। यह दुखद है। ऐसा बनाया गया है जैसे कोई मसीहा (सेठी) आया है, जो खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। हम जानते हैं कि वह क्या कर रहा है। वह किसी भी कीमत पर सुर्खियां बटोरना चाहता है। उसका क्रिकेट से कोई लेना-देना नहीं है, और है उसने कभी बल्ला नहीं उठाया है। उन्होंने मुझे बीच में ही बदल दिया है। सीजन के बीच में, वे मिकी आर्थर को ला रहे हैं। सकलैन मुश्ताक का कार्यकाल वैसे भी जनवरी में समाप्त हो रहा था। सकलैन ने 50 के करीब टेस्ट खेले हैं, वह एक दिग्गज हैं। यह है क्रिकेटरों के साथ सही व्यवहार नहीं है।

बार्सिलोना नहीं जाएंगे लियोनल मेसी, पीएसजी के लिए 2024 तक खेलेंगे, चैंपियंस लीग बनी वजह

एजेंसी ❑ पेरिस

अर्जेंटीना को तीसरी बार विश्व चैंपियन बनाने वाले दिग्गज लियोनल मेसी फ्रेंच क्लब पेरिस सेंट जर्मेन के साथ 2024 तक का करार करने जा रहे हैं। इसके साथ ही उनके बार्सिलोना जाने की संभावनाएं फिलहाल टल गई हैं। मेसी का अगली गर्मियों में पीएसजी के साथ करार खत्म होने जा रहा है। वह पिछले 18 माह से पीएसजी के साथ जुड़े हुए हैं। अर्जेंटीना को विश्व चैंपियन बनाने के बाद बार्सिलोना क्लब के अध्यक्ष जोआन लापोर्ता ने सार्वजनिक रूप से यह बयान दिया था कि वह क्लब के पुराने साथी मेसी को वापस बार्सिलोना लाना चाहते हैं। इसके बाद से यह संभावनाएं

जग पड़ीं की मेसी एक बार फिर बार्सिलोना के साथ जुड़ सकते हैं, लेकिन अब यह बात सामने आ गई है कि मेसी पीएसजी के साथ करार करने जा रहे हैं। इसका बड़ा कारण पीएसजी का चैंपियंस लीग की रेस में बने रहना है। पीएसजी के साथ जुड़े रहकर उनके चैंपियंस लीग विजेता बनने का सपना एक बार फिर साकार हो सकता है। रिपोर्टों के अनुसार यही कारण है कि वह क्लब के साथ 2024 तक का करार करने जा रहे हैं। मेसी के छुट्टियों से लौटने के बाद करार पर मुहर लग जाएगी। मेसी के पीएसजी के साथ करार करने का मतलब यह नहीं है कि वह बार्सिलोना के साथ जुड़ नहीं सकते हैं। 2024 के बाद उनका बार्सिलोना जाना संभव हो सकता है। लापोर्ता का कहना है कि वह अभी पीएसजी के फुटबालर हैं। हम एक न एक दिन उनकी क्लब में वापसी पर जरूर खुश होंगे।

स्पीड-एग्रेशन देखकर कोच ने दी तेज गेंदबाजी की सलाह

नई दिल्ली। शिवम मावी...भारतीय क्रिकेट का उभरता हुआ नाम। 24 साल के इस यंग फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर को श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए टीम इंडिया में चुना गया है। शिवम को पहली बार टीम इंडिया में जगह मिली है। ये वही शिवम मावी हैं, जिन्हें दिल्ली की टीम से ड्रॉप कर दिया गया था। बाद में उन्होंने क्रसे खेलकर मुकाम हासिल किया। क्रिकेट के प्रति जुनून उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। बचपन शिवम में क्रिकेट का जुनून ऐसा था कि रात में सोते-सोते भी ताली बजाकर चिल्लाने लगते थे जैसे उन्होंने

कोई बड़ी कामयाबी हासिल कर ली हो। शिवम के कोच फूलचंद शर्मा ने उनके एग्रेशन को देखकर ही उसे तेज गेंदबाजी की सलाह दी। शिवम के पिता पंकज मावी नोएडा आथॉरिटी में कॉन्ट्रैक्टर हैं और मेरठ के रहने वाले हैं। शिवम के पिता पंकज कहते हैं- शिवम पड़ोसियों के बच्चों के साथ क्रिकेट खेलता था। मुझे पड़ोसियों ने ही बताया कि वो अच्छा क्रिकेटर बन सकता है। पढ़ाई में शिवम एवरेज ही था। ऐसे में मैंने सोचा अगर वो क्रिकेट में अच्छा कर रहा है तो उसे एकेडमी में ही डाल देना चाहिए।

राजनीतिक कारणों के चलते बाहर बैठे रोनाल्डो, फिलिस्तीन से जुड़ा है मामला

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2022 के दौरान नॉकआउट मैचों में पुर्तगाल के कोच ने रोनाल्डो को काफी समय तक बेंच पर बैठाए रखा। पहले उनकी जगह युवा गोंसालो रोमोस को मौका दिया गया और प्री क्वार्टर फाइनल मैच में उन्होंने तीन गोल कर टीम को जीत भी दिलाई। इसके बाद अगले मैच में रोनाल्डो शुरुआती टीम का हिस्सा नहीं थे। उन्हें आखिरी के 30 मिनट मैदान पर उतारा गया, लेकिन वह भी टीम को हार से नहीं बचा सके। दुनिया के सबसे महान फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक रोनाल्डो को अहम मैच में बेंच पर बैठाने से पुर्तगाल के कोच की काफी आलोचना हुई थी। रोनाल्डो की पत्नी जॉर्जिना ने भी इस मामले पर अपना गुस्सा जाहिर किया था। अब तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने इस मामले में नया खुलासा किया है। रेसेप ने कथित तौर पर कहा है कि पुर्तगाली सुपरस्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को 2022 फीफा विश्व कप में राजनीतिक प्रतिबंध के कारण बाहर किया गया था। कई मीडिया रिपोर्ट में एर्दोगन के हवाले से कहा गया कि कतर में विश्व कप के दौरान रोनाल्डो का इस्तेमाल सही से नहीं किया गया और उनकी

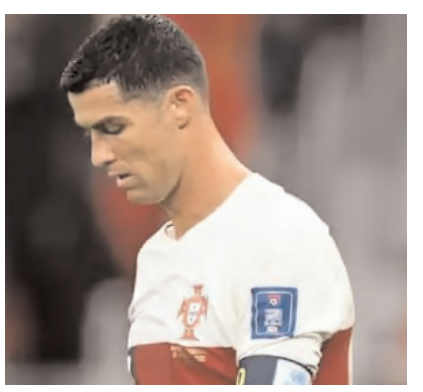

टीम पुर्तगाल विश्व कप में मोरक्को से हारकर क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गई। 37 वर्षीय रोनाल्डो को उस मैच में सब्स्टीट्यूट के रूप में इस्तेमाल किया गया और पुर्तगाल 1-0 से हार गया। मैनचेस्टर यूनाइटेड और रियल मैड्रिड के पूर्व स्टार फुटबॉलर स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच में भी पुर्तगाल के शुरुआती 11 खिलाड़ियों में शामिल नहीं थे। रोनाल्डो इसी विश्व कप में पांच अलग-अलग विश्व कप में स्कोर करने वाले पहले पुरुष फुटबॉलर बने थे। पुर्तगाल के विश्व कप से बाहर होने के बाद वह काफी भावुक हो गए थे और रोने लगे थे, क्योंकि इस हार के साथ ही रोनाल्डो के विश्व चैंपियन बनने का सपना टूट गया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एर्दोगन ने रविवार को पूर्वी एरजुरम प्रांत में एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा, उन्होंने रोनाल्डो को बर्बाद कर दिया है। दुर्भाग्य से, उन्होंने उन पर राजनीतिक प्रतिबंध लगा दिया है। रोनाल्डो फिलिस्तीनी के समर्थन में खड़े हैं। मीडिया रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि रोनाल्डो ने कभी भी इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष पर कोई सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया है। एर्दोगन ने यह भी कहा कि, रोनाल्डो जैसे फुटबॉलर को मैच के आखिरी 30 मिनट में मैदान पर भेजने से वह मानसिक रूप से प्रभावित हुए और उनकी ऊर्जा भी खत्म हो गई। रोनाल्डो फिलहाल किसी क्लब के साथ नहीं जुड़े हुए हैं। वह विश्व कप से पहले प्रीमियर लीग क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड से बाहर हो गए। हालांकि, ऐसी खबरें हैं कि सऊदी अरब के क्लब अल नासर से उन्हें प्रति वर्ष 200 मिलियन यूरो का वेतन प्रस्ताव मिला है।

सीईबीआर के निदेशक और हेड ऑफ कंसल्टिंग के डेनियल न्यूफिल्ड ने किया दावा

वर्ष 2023 में वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिखेगा मंदी का असर, ब्रिटिश रिसर्च एजेंसी का दावा

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

महंगाई पर काबू पाने के उद्देश्य से ब्याज दरों में बढ़ोतरी के कारण वर्ष 2023 में दुनिया में मंदी का असर दिख सकता है, क्योंकि ऊंची ब्याज दरें कई अर्थव्यवस्थाओं के सिकुड़ने का कारण बन सकता है। सेंटर फॉर इकोनॉमिक्स और बिजनेस रिसर्च की ओर से यह बात कही गई है।

वार्षिक विश्व आर्थिक लीग टेबल के दौरान ब्रिटिश कंसल्टेंसी की ओर से कहा गया है कि साल 2022 में ग्लोबल इकोनॉमी 100 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर गया लेकिन 2023 में इसमें गिरावट की संभवना है क्योंकि नीति निर्धारक महंगाई से दो-दो हाथ करने के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी का सिलसिला जारी रखे हुए हैं। सीईबीआर के निदेशक और हेड ऑफ कंसल्टिंग के डेनियल न्यूफिल्ड का कहना है कि महंगाई पर काबू करने के लिए ब्याज दरों में की गई बढ़ोतरी के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में 2023 में मंदी का असर दिखेगा।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि महंगाई के खिलाफ जंग अभी समाप्त नहीं हुई है। हमें लगता है कि अर्थव्यवस्था में सिकुड़न की आशंका के बावजूद केंद्रीय बैंक 2023 में अपना कड़ा रुख काम रख सकते हैं। महंगाई को और अधिक आरामदायक स्तर पर लाने के लिए ब्याज दरों में हो रही बढ़ोतरी से आने वाले कुछ वर्षों में अर्थव्यवस्था के लिए कमजोर विकास का दृष्टिकोण बन रहा है।

आंकड़ों से जो चीजें निकलकर सामने आ रही हैं वह हालिया अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुमानों की तुलना में कहीं अधिक निराशावादी हैं। संगठन में अक्तूबर महीने में आशंका जताई थी कि वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक तिहाई से अधिक हिस्से में सिकुरन दिख सकता है और 25 प्रतिशत संभावना है कि ग्लोबल जीडीपी में वर्ष 2023 में महज 2 प्रतिशत की वृद्धि दिखेगी। यह वैश्विक मंदी की स्थिति होगी। इसके बावजूद, वर्ष 2037 तक विश्व का सकल घरेलू उत्पाद दोगुना हो जाएगा, क्योंकि विकासशील अर्थव्यवस्थाएं अमीर देशों की इकोनॉमी के बराबर हो जाएंगी। शक्ति के बदलते संतुलन से 2037 तक पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र का वैश्विक उत्पादन में एक तिहाई से अधिक का योगदान होगा, जबकि यूरोप का हिस्सा पांचवें से भी कम हो जाएगा। सीईबीआर आईएमएफ के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक से अपना आधार डेटा लेता है और विकास, मुद्रास्फीति और विनिमय दरों के पूर्वानुमान के लिए एक आंतरिक मॉडल का उपयोग करता है।

चीन फिलहाल 2036 तक दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में अमेरिका से आगे निकलने के लिए तैयार नहीं है- उम्मीद है इसमें छह साल ज्यादा लगेंगे। यह चीन की शून्य कोविड नीति और पश्चिम के साथ बढ़ते व्यापार तनाव को दर्शाता है, जिसने इसके विस्तार को धीमा कर दिया है। सीईबीआर ने मूल रूप से 2028 से आर्थिक राहत की उम्मीद की है। पिछले साल की लीग तालिका में सुधार के लिए उसने 2030 का अनुमान जताया था। उसके अनुसार वैश्विक अर्थव्यवस्था में वास्तविक सुधार 2036 तक नहीं होगा इसमें और अधिक देरी हो सकती है यदि बीजिंग ताइवान पर नियंत्रण करने की कोशिश करता है और जवाबी व्यापार प्रतिबंधों का सामना करता है।

बीओबी व आईडीबीआई के जमा पर बढ़ा 0.65 प्रतिशत तक ब्याज

एजेंसी ■ नई दिल्ली

आईडीबीआई बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा ने जमा पर ब्याज बढ़ा दिया है। दोनों की नई दरें 26 दिसंबर से लागू हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा कि दो करोड़ रुपये से कम के रिटेल टर्म डिपॉजिट पर उसने 0.65त्न तक ब्याज बढ़ा दिया है। अब वह तीन से 7त्न ब्याज देगा। बैंक ऑफ बड़ौदा में 7-15 दिन के जमा पर तीन फीसदी और एक से तीन साल के जमा पर 6.75त्न ब्याज मिलेगा। जो एफडी दो साल में परिपक्व होगी उस पर 5.45त्न ब्याज मिलेगा। बड़ौदा तिरंगा योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों के लिए 399 दिन के जमा पर ब्याज 0.50त्न बढ़कर 7.80त्न हो गई है। 444 व 555 दिन के जमा पर 6.75त्न ब्याज मिलेगा। आईडीबीआई बैंक ने सोमवार को कहा है कि उसने 700 दिन के एफडी पर ब्याज दर बढ़ाकर 7.60 फीसदी कर दिया है। यह एक विशेष एफडी है जो सीमित अवधि के लिए है। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने कर्ज को 0.35 फीसदी महंगा कर दिया है। सोमवार को एक बयान में कंपनी ने कहा, उसका रिटेल हाउसिंग प्राइम लेंडिंग रेट (एलएचपीएलआर) अब 8.65 फीसदी से शुरू होगा। नई दर 26 दिसंबर से लागू हो गई है। आरबीआई ने मई से अब तक 2.25 फीसदी रेपो दर बढ़ाया है। उसके बाद से लगातार कर्ज महंगा हो रहा है।

57 फीसदी कर्मचारियों को 12 प्रतिशत वेतन वृद्धि की उम्मीद

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

वैश्विक आर्थिक मंदी, महंगाई, स्टार्टअप निवेश में कमी, टेक क्षेत्र में छंटनी और मंदी की आशंका के बीच 57त्न कर्मचारियों अगले साल 12त्न से अधिक वेतन वृद्धि की उम्मीद है। सीआईईएल एच आर सर्विसेस के अध्ययन के अनुसार, 23 फीसदी कर्मचारियों का मानना है कि 8-12 फीसदी की वृद्धि हो सकती है जबकि 11 फीसदी मानते हैं कि चार से पांच फीसदी तक वेतन बढ़ सकता है। हालांकि, 8.3 फीसदी मानते हैं कि केवल 4 फीसदी तक उनकी सैलरी बढ़ सकती है। विपरीत आर्थिक स्थितियों के बावजूद अधिकांश कर्मचारियों को वेतन में बढ़त की उम्मीद है। भारी मांग और प्रतिभाओं को आकर्षित करने और बनाए रखने के लिए कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण आईटी क्षेत्र ने पिछली बार ज्यादा वेतन वृद्धि की थी। इस साल, जमीनी स्तर की स्थिति बदल गई है, फिर भी कर्मचारी वेतन वृद्धि को लेकर आशान्वित हैं। पिछली बार वेतन वृद्धि में विनिर्माण, इंजीनियरिंग, बुनियादी ढांचे और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों ने रूढ़िवादी दृष्टिकोण अपनाया था। अधिकांश कर्मचारियों की सैलरी 10 फीसदी से कम बढ़ी थी। जैसे-जैसे गतिविधियां बढ़ने लगी हैं, इन क्षेत्रों में काम करने वाले कर्मचारियों को अब इससे ज्यादा बढ़त की उम्मीद है। एक दूसरी रिपोर्ट के अनुसार, देश में संगठित क्षेत्र के रोजगार में तेजी देखी गई है। खासकर दूसरे स्तर के शहरों में इसमें ज्यादा बढ़त है। 2022 में इस क्षेत्र के रोजगार में दोगुना का इजाफा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, महानगरों जैसे दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई और बंगलूरू, पुणे, अहमदाबाद और जयपुर में भी छोटे उद्योगों की भर्ती में तेजी देखी गई है।

इक्विटी और डेट से जुटाई गई रकम में इस साल 20 फीसदी की कमी

नई दिल्ली। चालू वर्ष में कंपनियों की डेट और इक्विटी के जरिये जुटाई गई रकम 20 फीसदी घट कर 11 लाख करोड़ रुपये रह गई है। 2021 में कंपनियों ने 13.6 लाख करोड़ रुपये जुटाया था। इसमें 6.8 लाख करोड़ रुपये डेट से, 2.85 लाख करोड़ इक्विटी से और 1.2 लाख करोड़ रुपये प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से जुटाए गए थे। ब्याज दर ज्यादा होने और बाजार के उतार-चढ़ाव के कारण कंपनियों ने इस साल रकम जुटाने की रफ्तार कम कर दी। 11 लाख करोड़ में से 6.92 लाख करोड़ रुपये डेट बाजार से और 1.62 लाख करोड़ रुपये इक्विटी बाजार से जुटाए गए। 2.52 लाख करोड़ विदेशी बाजारों से कंपनियों ने जुटाया। जानकारों का कहना है कि 2023 की पहली छमाही में भी कंपनियों के सामने पैसा जुटाने की चुनौती बनी रह सकती है। अगर अमेरिका में मंदी की आशंकाएं खत्म होती हैं तो दूसरी छमाही में वैश्विक स्तर पर बाजारों में तेजी दिख सकती है। उसकी वजह से भारतीय बाजारों के भी निवेशकों की धारणा सकारात्मक हो जाएगी। हालांकि, बाजारों में अगर तेजी आती है तो भी अगले कुछ साल तक फंड जुटाने की रफ्तार धीमी ही बनी रहेगी।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)